A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-49 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

यूएस राष्ट्रपति चुनावः यांकी लोकतंत्र के लिए हम फिक्रमंद !

रामशरण जोशी

अमेरिका से लौट चुका हूँ। करीब एक महीने के प्रवास के बाद। लेकिन, अब भी कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प के पैंतरों की ख़बरें मिलती रहती हैं; दोनों के प्रति वहां की जमीनी धड़कनों का पता चलता रहता है। ट्रम्प पर तीसरी बार संभावित हमलावर की गिरफ्तारी और तुरंत ज़मानत पर उसे छोड़ने की ख़बर कल रात को ही मिल गयी थी। वहां के लोग इस घटना को बहुत गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। लोगों को इस घटना, में नाटकीय तत्व अधिक लग रहा है। वहां के लोगों को हैरत है कि क्या ऐसे किसी व्यक्ति को आसानी से ज़मानत मिलनी चाहिए; क्या यह किसी बड़ी योजना का हिस्सा तो नहीं है? ट्रम्प की लोकप्रियता में वांछित उछाल नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों को इसमें अदृश्य नाटकीय तत्वों का मिश्रण अधिक प्रतीत हो रहा है।

वाक़ई भारत में हम जैसे लोग अजीब कश्मकश के शिकार हैं। डेमोक्रेट की भारत वंशी प्रत्याशी हैरिस और रिपब्लिकन प्रत्याशी व प्रधानमंत्री मोदी के ज़िगरी यार ट्रम्प की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है; दोनों में से किसकी हैल्थ रिपोर्ट बेहतर है और किसका चेहरा कितना बुझा बुझा दिखाई देता है?; किसको कितना अधिक चंदा मिला है?; किसका लोकप्रियता का ग्राफ कितना गिरा -बढ़ा है?; किसने भारत के बारे में क्या कहा?; ट्रम्प के आने से भारत को लाभ होगा या घाटा और वे कितना टैरिफ लगाएंगे?; भारत वंशियों को किसे समर्थन देना चाहिए? आदि आदि।

मेरे जैसा इंसान विडंबनाओं के भंवर में फंसा हुआ है। कहां तो मैं और मेरे जैसे अनेक साथी ज़िंदगी भर अमेरिकी साम्राज्यवाद के ख़ात्मे के लिए शब्द युद्ध के सैनिक बने रहे हैं, और आज़ है कि कमला हैरिस और ट्रम्प के बहाने अमेरिका में क्रमशः 'उदार लोकतंत्र' की जीत और रूढ़िवादी या निरंकुश लोकतंत्र की शिक़स्त की कामना कर रहे हैं। सितम्बर में दिल्ली छोड़ते समय भी डेमोक्रेट की उम्मीदवार कमला की जीत की कामना कर रहा था और अब भी वही कर रहा हूं। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प को शिक़स्त मिले, इसके लिए समविचार ठियों की तलाश में रहता हूं। यह निर्विवाद है कि ट्रम्प की आधुनिक पोशाक की काया में 19वीं सदी के पूर्व लिंकन अमेरिकी श्वेत वर्चस्ववाद का रक्त उनकी धमनियों में प्रभावित हो रहा है। वे गुलामी का नये संस्करण का ईज़ाद करने का मंसूबा रखते हैं।

इसीलिए अमेरिका का नस्लवादी कुख्यात संगठन 'कु क्लुक्स क्लान' (kkk) उनका समर्थक मन जाता है। यह फासीवादी तत्वों का समूह है जोकि विभिन्न हिस्सों में फैला हुआ है और गैर-श्वेतों के खिलाफ नफ़रत का प्रचार करता है। यह भूमिगत भी काम करता है। इसके अतिरिक्त कुछ और भी छोटे-मोटे समूह हैं जो कि ट्रम्प के पक्ष में नफरत का व्यापार करते रहते हैं। 'सदर्न पावर्टी लॉ सेंटर' के अनुसार कई छोटे-मोटे ग्रुप हैं जो नस्लवाद फैलाते रहते हैं। ये लोग अदृश्य ट्रम्प समर्थक माने जाते हैं। एक प्रकार से ट्रम्प की साइलेंट आर्मी। मुख्तसर में, आज हम भारतीय अमेरिका में लोकतंत्र के भविष्य को लेकर खासा चिंतित हैं!

इस बात का एहसास है कि कमला हैरिस या ट्रम्प, दोनों में कोई एक जीते, अमेरिका का मूल चरित्र वैसा ही रहेगा। वह चरम पूंजीवाद का पोषक ही रहने वाला है। नव साम्राज्यवाद का अगुआ बना रहेगा। विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन, एशियाई विकास बैंक जैसे वित्तीय अश्वों की सवारी वह करता रहेगा। संयुक्त राष्ट्र संघ नाचता रहेगा उसकी उंगलियों पर। वह नाटो को कभी भंग नहीं करेगा। अमेरिका चाहेगा, उसका मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स फलता-फूलता रहे। भारत, पाकिस्तान समेत पिछड़े व अर्ध विकसित राष्ट्र उसके शस्त्रों के वफ़ादार ग्राहक बने रहें। वह शीत युद्ध के नये नये संस्करण पैदा करता रहे। आतंकवाद के नवीनतन रूप जन्म लेते रहें। वह एकल सत्ता ध्रुव के सिंहासन पर प्रलय तक आसीन रहे।

अमेरिका चाहेगा उसके पास ही विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश होने का ख़िताब रहे। अलबत्ता, वह वाशिंगटन -विरोधी सरकारों को गिराता रहेगा। वह लोकतंत्र का हिमायती होने का दावा करता है, लेकिन इसराइल का संरक्षक भी बना रहना चाहता है। पैंतीस हज़ार से अधिक फिलिस्तीनियों का रक्त-दरिया बहने के बावजूद, वह मानवाधिकार का प्रथम व अंतिम रक्षक बने रहने का दावा करता रहेगा।

उसे आधुनिक लोकतंत्र से प्यार है, लेकिन वह मध्ययुगीन सामंती सऊदी अरब के साथ भी इश्क़ में भी रमे रहना चाहता है। उसकी मोहब्बत, लोकतंत्र की पोशाक में तानाशाहों, निरंकुशों और फासीवादियों के साथ बदस्तूर रहती है। क्या कमला हैरिस एक नितांत नए अमेरिका का निर्माण कर सकेंगी? क्या वे वाल स्ट्रीट की सत्ता को ध्वस्त कर सकेगीं? क्या वे गन -व्यापार सत्ता का अंत कर सकेंगी? क्या वे अमेरिकी राष्ट्र को एक 'सच्चे उदार लोकतांत्रिक राष्ट्र' में रूपांतरित करेंगी? क्या उनके राष्ट्रपति बनने के बाद व्हाइट हाउस और पेंटागन कमज़ोर व पिछड़े राष्ट्रों की शासन शैलियों में हस्तक्षेप करना बंद कर देंगे? क्या 'सभ्यताओं के टकराव' की अवधारणा का पटाक्षेप हो जायेगा? क्या वे सुरक्षा परिषद का लोकतांत्रीकरण कर सकेंगी? क्या विजय के बाद दोनों में से कोई एक दुनिया के विभिन्न देशों में तैनात 1 लाख 70 हज़ार नियमित अमेरिकी सैनिकों को स्वदेश वापसी का आदेश देने की दुस्साहसिकता दिखा सकेगा? जापान और जर्मनी में सबसे बड़े अमेरिकी बेड़े 1945 से तैनात हैं। डोनाल्ड ट्रम्प से किसी भी प्रकार की अपेक्षा करना 'आत्म छलावा' के समान है। वे लोकतंत्र के 'काऊ बॉय' दिखाई देते हैं। न्यूयॉर्क, शिकागो जैसे शहरों में विशाल टावरों के मालिक ज़रूर हैं, लेकिन उनकी आत्मा 19वीं सदी के अमेरिका में बसती है। यह वह अमेरिका था जो 'अश्वेत दासता' पर पल रहा था अमरबेल बन कर।

न्यूयॉर्क के मेनहट्टन के 'पार्क एवेन्यू' की गगनचुम्बी शीशे की बिल्डिंगों से अमेरिका समेत एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका की अश्वेत मानवता मन-मस्तिष्क-धमनियों को अनुकूलित करते रहते हैं। इस वर्ग का प्यादा बना रहता है अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान। ट्रम्प की आत्मा इन शीशे की इमारतों के बाशिंदों की तिजोरियों में बसी हुई है। ट्रम्प कैसा अमेरिका बनाना चाहते हैं, इसका पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। उन्हें विस्थापित व उत्पीड़ित आप्रवासी मानवता से नफ़रत है। मैं और मेरे जैसे बेशुमार लोगों का स्वप्न था कि अमेरिकी साम्राज्यवाद का अशांत-प्रशांत महासागरों में जलावतरण कर देंगे; समता की वोल्गा-गंगा-नील बहेंगी; मज़दूर-किसान 'प्रोमोथियस' की भूमिका निभाएंगे; स्वर्ग का उजाला धरा पर उतरेगा। पर कुछ न हुआ। आज हम उसी दैत्य साम्राज्य की व्यवस्था को बचाने में जुटे हुए हैं, 21वीं सदी में रंग-बिरंगे दास बन कर! है ना विडंबनाओं से भरा चमत्कार?

(सत्य हिंदी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

अब वीआईपी सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो

मोदी सरकार ने बनाया है नया प्लान,सीआरपीएफ की होगी तैनाती

योगी समेत 9 नेताओं की सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी के यह कमांडो

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीआईपी सुरक्षा में लगे हस्त कमांडो को हटाने का फैसला सरकार ने किया है। 9 अति महत्वपूर्ण लोगों को वीआईपी सुरक्षा दी गई और उनकी सुरक्षा में एनएसजी के कमांडो तैनात है। अब अगले महीने से इनकी सुरक्षा का जिम्मा सीआरपीएफ के हवाले होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की एक नई बटालियन को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वीआईपी सुरक्षा प्रकोष्ठ के साथ जोड़ने की स्वीकृति भी दी है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो जेड प्लस कैटेगरी के नौ वीआईपी लोगों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा अध्यक्ष मायावती, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू हैं, जिन्हें अब सीआरपीएफ का सुरक्षा घेरा प्रदान किया जाएगा।

सीईसी के हेलीकॉप्टर की उत्तराखंड में इमरजेंसी लैंडिंग

मौसम खराब होने पर खेत में उतारा

पिथौरागढ़ (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के हेलीकॉप्टर की उत्तराखंड में मुनस्यारी के रालम में इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। इसकी वजह खराब मौसम बताई गई है। हेलीकॉप्टर मिलम की तरफ जा रहा था। उनके साथ राज्य के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे भी हैं। सीईसी का मिलम से नंदा देवी बेस कैम्प ट्रैकिंग के लिए जाने का प्लान था, लेकिन इस बीच दोपहर 1 बजे मौसम खराब हो गया। पायलट ने खतरा महसूस होते ही सूझबूझ का परिचय देते हुए हेलीकॉप्टर की पास में ही एक खेत में सेफ लैंडिंग करा दी। डीएम ने सीईसी से बात की, वे सुरक्षित हैं। लैंडिंग के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त और उनके साथ मौजदू अन्य अधिकारियों को पास स्थित गेस्ट हाउस ले जाया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार, 15 अक्टूबर को झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का ऐलान किया है। झारखंड में दो फेज में वोटिंग होगी।

पीएम शहबाज शरीफ को पहले सुनाया, फिर से की मुलाकात

अंत में जयशंकर ने दिया धन्यवाद, इसे कहते हैं कूटनीति

जयशंकर की पाक प्रधानमंत्री से हुई अनौपचारिक बातचीत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद में हो रही एससीओ समिट के दूसरे दिन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत हुई। बुधवार को पाक पीएम शहबाज शरीफ, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार, एस जयशंकर और दूसरे नेता एक-दूसरे के साथ अनौपचारिक रूप से बातचीत करते दिखे। इस दौरान शरीफ और जयशंकर में भी गुफ्तगू हुई। इसके बाद जयशंकर भारत के लिए रवाना हो गए। वापसी से पहले जयशंकर ने पाकिस्तान सरकार को मेहमाननवाजी के लिए शुक्रिया कहा।

- **पाकिस्तान में गुजारे 24 घंटे, पाक-चीन पर निशाना-** भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने करीब 24 घंटे पाकिस्तान में गुजारे। एस जयशंकर ने पाकिस्तान में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक में अपने भाषण में चीन-पाकिस्तान को भी सुनाया। उन्होंने कहा कि सभी देशों को एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान करने की जरूरत है। अगर एससीओ के मेंबर देशों के बीच दोस्ती में कमी आई है तो इस पर विचार किया जाना चाहिए। हमारे बीच भरोसे में कमी है तो हमें अपने अंदर झांकना होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान और चीन को अपने संबोधन में हिदायत भी दी।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

आज उतरते उस चढ़ाव से
फिर नई सुंदरता देखी
घाटी ढंकी हुई है पूरी
उदास हरी अधेड़ चादर से
वहीं सुर्ख़ छोटे फूलों में
उमग रही चंचलता देखी
तड़के उठ पंछी जोड़ों में
व्यग्र प्रणय आतुरता देखी
चुहुल खेल में
एक दूजे का पीछा करते
पकड़े जाने की
भीतर एक कोमलता देखी
यह अजब प्रकृति है
अजब आदतें हैं
इन्हें प्रेम को पूरा दिन
उन्मुक्त भ्रमण को पूरा दिन
इधर संग लज्जा
और सकुचाहट
आधी रात अधूरा दिन
अभी अभी देखी
छाई मादकता पेड़ों से
हरी दूब तक बिखरी
अभी अभी व्याकुल मन के
भीतर तक कातरता देखी।

- सुधीर मोता

बीएसएनएल ला रही सैटेलाइट नेटवर्क, बिना सिम होगी कॉलिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनी वियासत ने डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डी2डी) सैटेलाइट कनेक्टिविटी प्रदर्शित की है। खास बात है कि ये ट्रायल सफर रहा और भारत के लिए काफी गर्व का विषय भी बन गया है। बीएसएनएल के साथ पार्टनरशिप में वियासत ने सैटेलाइट पावर्ड और एसओएस मैसेजिंग का कमर्शियल एंड्रॉयड स्मार्टफोन पर ट्रायल किया है। ये ट्रायल इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 के दौरान किया गया। दोनों कंपनियों ने अपने जॉइंट स्टेटमेंट में इस बात की पुष्टि की है। वियासत ने कहा, वह अपने पार्टनर्स के

साथ काम कर रही है, भारत में बीएसएनएल इस लिस्ट में है। दरअसल ये पूरा ट्रायल सैटेलाइट सर्विस को कस्टमर और आईओटी डिवाइस के लिए किया गया है। वियासत की तरफ से किया गया ये ट्रायल टू-वे और एसओएस मैसेजिंग वाला था। इसे कमर्शियल एंड्रॉयड स्मार्टफोन पर किया गया था। इसे एनटीएन कनेक्टिविटी के लिए किया गया। ट्रायल के दौरान 36 हजार किलोमीटर की दूरी से ट्रांसमिट किया गया था। ऑफिशियल रिलीज में बताया गया, नतीजे बताते हैं कि वियासत सैटेलाइट नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए सेल फोन कनेक्टिविटी सक्षम है और इसकी मदद से आसानी से कनेक्ट किया जा सकता है।

रानी दुर्गावती लोक के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद समिति गठित

रानी दुर्गावती लोक बनाने बनी पांच मंत्रियों की कमेटी

सीएम खुद करेंगे दुर्गावती लोक के काम की मॉनिटरिंग, मंत्री प्रहलाद, शाह, लोधी भी शामिल

भोपाल (नप्र)। दमोह जिले के सिंग्रामपुर में रानी दुर्गावती के सम्मान में कैबिनेट बैठक करने के बाद मोहन सरकार ने अब रानी दुर्गावती लोक के निर्माण के लिए मंत्रिमंडलीय कमेटी बनाई है। यह कमेटी रानी दुर्गावती लोक में किए जाने वाले कामों को मंजूरी देने और इसे पर्यटन की दृष्टि से मंच दिलाने का काम करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रानी दुर्गावती लोक योजना के निर्माण, क्रियान्वयन और अन्य संबंधित विषयों के संबंध में निर्णय के लिए 5 सदस्यीय कैबिनेट समिति का गठन किया गया है। इस कमेटी में जिन मंत्रियों को शामिल किया गया है, उनमें जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, वन और पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत और संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी शामिल हैं।

सिंग्रामपुर कैबिनेट में यह कमेटी भी बनाई थी सीएम मोहन ने

मुख्यमंत्री यादव की अध्यक्षता में दमोह जिले के सिंग्रामपुर में 5 अक्टूबर को हुई कैबिनेट बैठक में रानी दुर्गावती स्मारक एवं उद्यान को विकसित करने स्वीकृति दी गई है। इसके लिए बनाई गई समिति में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री, लोक निर्माण मंत्री, जनजातीय कार्य मंत्री और संस्कृति और पर्यटन मंत्री सदस्य होंगे। इसमें बताया गया है कि जबलपुर में स्थित मदन महल पहाड़ी के 24 एकड़ क्षेत्र को लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से रानी दुर्गावती स्मारक एवं उद्यान के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। इसमें रानी दुर्गावती की कांस्य प्रतिमा, ओपन एयर थिएटर, कला और शिल्प जोन (शिल्पकला, धातु और टेराकोटा), स्थानीय भोजन की उपलब्धता वाला फूड जोन, जल-संरक्षण संरचनाएं, कैफेटेरिया एवं फिल्म निर्माण पर समिति द्वारा निर्णय लिये जायेंगे।

सरकार ने रबी की 6 फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 150 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाकर 2,425 रुपए क्विंटल कर दिया है। रबी की 5 अन्य फसलों जौ, चना, मसूर,

सरसों, कुसुम की एमएसपी में भी बढ़ोतरी की है। बुधवार (16 अक्टूबर) को कैबिनेट मीटिंग में ये फैसला लिया गया। रबी फसल की बुआई लौटते मानसून (अक्टूबर-नवंबर) के समय की जाती है। इन फसलों की कटाई आमतौर पर गर्मी के मौसम में अप्रैल में होती है। ये फसलें बारिश से ज्यादा प्रभावित नहीं होतीं। रबी की प्रमुख फसलें गेहूं, चना, मटर, सरसों और जौ हैं।

विजयपुर और बुदनी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव

सीईओ बोले-आचार संहिता का ध्यान रखें पार्टियां

भोपाल (नप्र)। प्रदेश की दो विधानसभा सीटे बुधनी और विजयपुर में 13 नवंबर उपचुनाव होगें। जिसके चलते सीहोर और श्योपुर जिले में 23 नवंबर तक चुनाव आचार संहिता लागू रहेगी। दोनों विधानसभा सीटों बुधनी और विजयपुर में होने वाले चुनाव के लिए शुक्रवार से नामांकन जमा होंगे। चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव का कार्यक्रम तय किए जाने के बाद यहां चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। अब किसी भी राजनीतिक दल की सभा या रैली होने पर उसे चुनावी खर्च की कैटेगरी में शामिल किया जाएगा जो कि कैंडिडेट घोषित होने के बाद पार्टी और प्रत्याशी के खर्च में शामिल होगा। बुधवार को यह जानकारी भोपाल में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह ने दी है।

शुक्रवार से जमा होंगे नामांकन, चुनाव शिकायत सेल हुई एक्टिव

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सिंह ने उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग द्वारा तय किए गए दिशा निर्देशों की भी जानकारी बुधवार को मीडिया को दी। इसमें चुनाव शिकायत सेल एक्टिव होने की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि दोनों ही विधानसभा क्षेत्रों के लिए जल्द ही चुनाव आयोग की ओर से ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए जाएंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 17 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

एमपी की चौथी वर्ल्ड हेरिटेज साइट बनेगी रामराजा की नगरी

यूनेस्को ने ओरछा की मंजूरी दी, खजुराहो मंदिर, भीमबेटका, सांची स्तूप पहले से शामिल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की अयोध्या कही जाने वाली राम राजा की नगरी ओरछा एमपी की चौथी वर्ल्ड हेरिटेज साइट बनेगी। इसके डोजियर (कम्पाइल्ड डॉक्यूमेंट्स) को यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) ने मंजूरी दे दी है। ओरछा अभी यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट (वर्ल्ड हेरिटेज साइट की टेम्पररी लिस्ट) में शामिल है। परमानेंट लिस्ट में शामिल करने के लिए डोजियर और डॉक्यूमेंटेशन का काम पिछले साल पूरा किया गया था।

डोजियर को केंद्र सरकार ने यूनेस्को की विश्व धरोहर कमेटी को सौंपा है। 2027-28 के लिए केंद्र सरकार ने ओरछा वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित करने के लिए अनुशंसा की है। हर साल केंद्र सरकार देश की एक धरोहर को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में नॉमिनेट कराने के लिए

यूनेस्को को अनुशंसा करती है। यूनेस्को ऑफिस, पेरिस में भारतीय राजदूत विशाल वी शर्मा ने यूनेस्को विश्व विरासत केंद्र के निदेशक लाजारे एलौंडो असोमो को यह डोजियर सौंपा। यूनेस्को की आधिकारिक घोषणा के बाद ओरछा देश की ऐसी एकमात्र विश्व धरोहर स्थली होगी, जो राज्य संरक्षित है।

5 साल की मेहनत के बाद मिली सफलता

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने ओरछा और भेड़ाघाट को यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में शामिल कराने के लिए 2019 और 2021 में प्रस्ताव तैयार कराया था। इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने योग्य मानते हुए यूनेस्को के विश्व धरोहर अनुभाग को फॉरवर्ड किया और फिर टेंटेटिव लिस्ट में शामिल करने की घोषणा की गई थी।

घोषणा के बाद टूरिज्म बोर्ड ने विशेषज्ञ संस्थाओं के सहयोग से ओरछा, मांडू, भेड़ाघाट के डोजियर तैयार कर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को भेजा। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रारंभिक निरीक्षण कर ओरछा के डोजियर को रिकमेंड कर यूनेस्को के विश्व धरोहर अनुभाग को सौंपा।

वक्फ बोर्ड पर जेपीसी की लड़ाई ओम बिरला के पास आई

लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ विधेयक को लेकर हुई जेपीसी की बैठक लगातार दूसरे दिन हंगामेदार रही। इसके बाद विपक्ष के कई सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति की बैठक में ''संसदीय आचार संहिता का घोर उल्लंघन'' हुआ। यह पत्र कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पाडी के वक्तव्य पर कई विपक्षी

सांसदों द्वारा समिति की बैठक का बहिष्कार करने के एक दिन बाद आया है। मणिप्पाडी ने वक्फ संपत्तियों के कथित गबन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और के रहमान खान सहित कई विपक्षी नेताओं का नाम लिया था। इससे पहले मंगलवार को विपक्ष के सांसदों ने वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से यह कहकर वॉकआउट किया कि भाजपा के एक सदस्य ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है। कल्याण बनर्जी, गौरव गोगोई, ए राजा, मोहम्मद अब्दुल्ला और अरविंद सावंत सहित विपक्षी सदस्य संसदीय समिति की बैठक से उठ कर बाहर चले गए। संसदीय समिति अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों के पक्ष सुन रही थी। करीब एक घंटे तक बैठक से दूर रहने के बाद विपक्षी सदस्य फिर से इसमें शामिल हुए। उधर, भाजपा सदस्यों का दावा था कि विपक्षी सदस्य अशोभनीय टिप्पणी कर रहे थे।

मणिपुर में अब न गोली चलेगी, न ही जाएगी जान

मणिपुर हिंसा के 17 महीने बाद संगठनों का एक ही संकल्प

कुकी-मैतेई और नगा नेताओं ने पहली बार साथ में की बैठक

इंफाल/ नई दिल्ली (एजेंसी)। 17 महीने से जारी हिंसा के बीच मणिपुर में शांति की पहली बड़ी कोशिश हुई। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय की निमंत्रण पर मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे। पहले इनकी बैठक गृह मंत्रालय में होनी थी, लेकिन बाद में आईबी के ऑफिस ले जाया गया। यहां आईबी के पूर्वोत्तर के संयुक्त निदेशक राजेश कांबले, पूर्वोत्तर में भाजपा के समन्वयक संबित पात्रा, केंद्र के सुरक्षा सलाहकार एके मिश्रा और अन्य मौजूद थे। पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बात की गई। सभी ने अपनी-अपनी मांगें केंद्र के समक्ष रखीं। इसके बाद सभी को एक हॉल में एकत्रित कर संकल्प दिलाया गया कि

आज की बैठक के बाद मणिपुर में न तो एक भी गोली चलेगी और न ही किसी व्यक्ति की जान जाएगी। तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति दी। इसके बाद प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाए। सूत्रों के मुताबिक करीब डेढ़ घंटे चली बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह मौजूद नहीं थे, लेकिन शाह बैठक की मिनट-टु-मिनट मॉनिटरिंग कर रहे थे। कुकी प्रतिनिधियों ने सरकार के सामने 3 मांगें रखीं, अंतिम फैसला काउंसिल पर छोड़ा सूत्रों के मुताबिक मणिपुर विधानसभा में 60 विधायक हैं। इनमें 10 नगा और 10 कुकी हैं।

भारत से रिश्ते मजबूत करने पर अड़े सभी पश्चिमी देश

- ट्रूडो को अपनों ने दिखा दी औकात, खूब हुई किरकिरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ रिश्ते बिगाड़ चुके जस्टिन ट्रूडो के करीबी देशों ने भी अब उन्हें औकात दिखा दी है। पश्चिमी देशों के समर्थन पर खूब उछल रहे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बावजूद अमेरिका और ब्रिटेन ने मोदी सरकार के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने का इरादा जाहिर किया है। पहले ट्रूडो ने दावा किया था कि भारतीय राजनयिकों ने कनाडा में रहने वाले सिख अलगाववादियों पर निगरानी रखी और उन्हें धमकाया, ब्लैकमेल किया या मार डाला। हालांकि, ट्रूडो के इन दावों की खिल्ली उड़ गई है, भारत बार-बार इस बेतुके बयानों के बारे में सबूत मांगता रहा है मगर कनाडा सरकार इस बारे में पुख्ता जानकारी मुहैया नहीं करा पाई है। यह विवाद पिछले साल उस समय शुरू हुआ जब ट्रूडो ने भारत पर ब्रिटिश

कोलंबिया में एक सिख आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। अब कनाडा ने आरोप लगाया है कि भारतीय अधिकारियों ने कनाडा की जमीन पर और भी कई अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया। सोमवार को कनाडा ने छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया, क्योंकि भारत ने उनकी राजनयिक छूट हटाने से इनकार कर दिया।

बाबा सिद्दीकी के हत्यारों ने यूट्यूब से सीखा गोली चलाना

इंस्टाग्राम पर करते थे कॉलिंग

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दिग्गज राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्यारों को लेकर मुंबई पुलिस ने नए खुलासे किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बाबा सिद्दीकी को मारने की प्लानिंग पुणे में तीन महीने पहले से ही शुरू हो गई थी। हत्यारों ने यूट्यूब से गोली चलाना सीखा और उनकी स्नैपचैट और इंस्टाग्राम पर ही आपस में बातचीत होती थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम सिद्दीकी मर्डर केस में चार लोगों को अरेस्ट कर चुकी है। चारों की 21 अक्टूबर तक पुलिस के पास कस्टडी है। बीते शनिवार को एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को मारने आए शूटरों

गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप ने छह राउंड फायर किया था। अस्पताल ले जाते वक्त सिद्दीकी की मौत हो गई थी। फायरिंग के कुछ घंटों बाद ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। सूत्रों ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वे किस स्थान पर अभ्यास करते थे, लेकिन यह पता लगा है कि वे यूट्यूब पर शूटिंग की प्रैक्टिस किया करते थे। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अब तक इस मामले में 15 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए हैं। मुंबई पुलिस ने एनसीपी नेता की हत्या के सिलसिले में आज एक और आरोपी हरीश कुमार निषाद को गिरफ़्तार किया। इस केस में यह चौथी गिरफ़्तारी है। पुलिस का दावा है हरीश ने आरोपियों के लिए पैसे और हथियार मुहैया कराए थे। इससे पहले पुलिस की टीम ने पुणे से साजिशकर्ता प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया था। प्रवीण शुभम का भाई है, जो लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा है। पुलिस ने बताया कि प्रवीण और शुभम लोनकर ने शूटरों गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप को 2 लाख रुपये दिए थे और यह पैसा चौथे आरोपी हरीश के जरिए भेजा गया था। हत्याकांड में तीसरा संदिग्ध शूटर शिवा गौतम अभी भी फरार है, उसकी तलाश की जा रही है।

पीएम मोदी के बनारस में बनेगा एक अनोखा पुल

इस पुल में रेलवे की चार लाइनें जबकि सड़क छह लेन का होगा

यह रेल सह सड़क पुल होगा, इसकी लागत 2642 करोड़ रुपए होगी

बनारस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र बनारस को बुधवार को एक

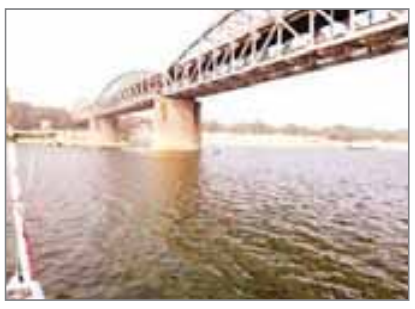

और तोहफा मिला। केंद्र सरकार ने वहां गंगा नदी पर एक और रेल सह सड़क पुल बनाना मंजूर कर लिया है। इस परियोजना पर करीब 2642 करोड़ रुपये का निवेश होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की यहां हुई बैठक में इस आशय का प्रस्ताव पारित हुआ। बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2,642 करोड़ रुपये है। प्रस्तावित पुल में निचले डेक पर चार रेलवे लाइन होगी जबिक ऊपरी डेक पर छह लेन का सड़क पुल होगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली जिलों से होकर गुजरती है। इस समय मुगलसराय और बनारस को जोड़ने वाला रेल पुल काफी पुराना हो गया है।

2015 के केस में ईडी के रडार पर रेवंत रेड्डी

एमएलसी चुनाव में हेराफेरी के लग रहे हैं आरोप

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने यह भी दावा किया है कि उसके पास यह साबित करने के लिए प्रयाप्त सबूत हैं। ईडी का आरोप है कि सीएम रेड्डी भ्रष्टाचार के जरिए 50 लाख रुपये की कमाई की है। ईडी के अधिकारियों ने जांच और कोर्ट के दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दायर आरोप पत्र में आरोपी नंबर 1 के रूप में रेवंत रेड्डी का नाम है। आपको बता दें कि यह मामला 2015 का है। 1 जून 2015 को तेलंगाना विधान परिषद चुनाव से पहले रेवंत रेड्डी को तेलुगु देशम पार्टी के उम्मीदवार वेम नरेंद्र रेड्डी के पक्ष में वोट देने के लिए विधायक एल्विस स्टीफेंसन को 50 लाख रुपये का भुगतान करते हुए पकड़ा गया था।

पहले लोगों का पूरा करेंगे वादा, फिर शपथ का इरादा

- नायब सिंह सैनी का हरियाणा में रोजगार पर बड़ा ऐलान
- शाह की मौजूदगी में चुने गए बीजेपी विधायक दल के नेता

पंचकूला (एजेंसी)। हरिणाया में एक बार फिर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ही सत्ता की बागडोर थामेंगे। सौनी को सर्वसम्मति से हरियाणा में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। अब हरियाणा में नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले सैनी ने रोजगार को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले 24 हजार युवाओं को नौकरी देंगे उसके बाद शपथ ग्रहण करेंगे। नायब सिंह सैनी ने एक्स पर पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा,मैंने संकल्प लिया था शपथ बाद में लूंगा पहले 24 हजार युवाओं को ज्वाइनिंग दूंगा। वादे को पूरा करते हुए कल नतीजे घोषित किए जाएंगे। भाजपा जो कहती है वो करती है। नायब सिंह सैनी ने बुधवार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से राजभवन में मुलाकात

की और राज्य में अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया। इससे कुछ घंटे पहले ही पंचकूला में हुई बैठक में सैनी को सर्वसम्मति से हरियाणा में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद थे।

एमपी में 2023 की शिक्षक भर्ती का रास्ता साफ

हाईकोर्ट ने सरकार को लगाई फटकार, पूछा- जब ईडब्ल्यूएस आरक्षण 2019 में आया तो इसे 2018 की भर्ती पर कैसे लागू किया

जबलपुर (नप्र)। हाईकोर्ट ने प्रदेश में शिक्षक भर्ती पर लगी रोक को हटाते हुए नियुक्ति प्रक्रिया जारी रखने को कहा है। मामले पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के रवैये पर नाराजगी जताई और निर्देश दिए कि साल 2023 की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को जारी रखी जाए। साथ ही फटकार लगाते हुए पूछा कि जब ईडब्ल्यूएस आरक्षण 2019 में आया तो इसे आपने 2018 की भर्ती पर कैसे लागू कर दिया?

मामले पर सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश हाई कोर्ट चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने कहा कि ये नियुक्तियां अपील के अंतिम निर्णय के अधीन होंगी।

फिलहाल मामले पर अब अगली सुनवाई 12 नवंबर को होगी। अपीलकर्ता शासन की ओर से पैरवी जाह्नवी पंडित, ब्रह्मदत्त सिंह ने की। अनावेदकों की ओर से सीनियर अधिवक्ता नमन नागरथ ने पैरवी की।

इसरो बता रहा है कहां लगी आग, आप मना कर रहे हो

हरियाणा और पंजाब सरकार पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, खूब सुनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कड़ा रुख अपनाया है। पराली जलाने के मामले में अदालत ने पंजाब और हरियाणा के मुख्य सचिवों को तलब किया है। शीर्ष न्यायालय ने दोनों राज्यों को कानून तोड़ने वालों के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाने पर कड़ी फटकार भी लगाई। कोर्ट का कहना है कि पंजाब और हरियाणा ने बीते 3 सालों में उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सिर्फ मामूली जुर्माना लगाया। मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस अभय एस ओक, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस ए अमानुल्लाह ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी फटकार लगाई है। कोर्ट ने आयोग को बगैर दांत वाला करार दिया और कहा कि यह अपने ही आदेश लागू नहीं करा पाया।

जस्टिस ओक ने कहा, पंजाब और हरियाणा की तरफ से कौन पेश हुआ है। आयोग के कोई भी सदस्य वायु प्रदूषण से जुड़े मामले से निपटने के योग्य नहीं है। आदेश का बिल्कुल पालन नहीं हुआ। हमारा पिछला और 10 जून का आदेश भी देखें। अब तक एक भी मुकदमा नहीं हुआ। सब कुछ सिर्फ कागजों पर है। इस पर वकील ने कहा कि इस साल 17 एफआईआर दर्ज की गई है। कोर्ट ने कहा,लेकिन यह सब आयोग के किसी प्रावधान में हुआ है। उस प्रावधान में नहीं, जिसकी जरूरत है। हम आपको 1 सप्ताह का समय देते हैं नहीं तो सीएस के खिलाफ अवमानना का आदेश जारी करेंगे। आप लोगों के खिलाफ मुकदमा करने से शरमा क्यों रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का जिक्र भी किया। कोर्ट ने कहा कहा कि इसरो आपको बता रहा है कि कहां आग लगी, लेकिन आप कह रहे हैं कि कुछ नहीं मिला। जस्टिस ओक ने कहा, उल्लंघन के 191 मामले थे और सिर्फ मामूली जुर्माना लिया गया...। हरियाणा ने पूरी तरह से अवहेलना की। कोर्ट ने पंजाब को भी पराली की स्थिति लेकर घेरा। जस्टिस ओक ने कहा, यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। अगर मुख्य सचिव किसी के कहने पर काम कर रहे हैं, तो हम उन्हें भी तलब करेंगे। अगले बुधवार हम मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से बुलाएंगे।

उमर अब्दुल्ला बने जम्मू-कश्मीर यूटी के सबसे पहले मुख्यमंत्री

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रैना को हराने वाले सुरेंदर चौधरी डिप्टी सीएम

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे इस केंद्र शासित राज्य के पहले सीएम बन गए। कार्यक्रम श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में हुआ। नेशनल

कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। हालांकि उमर के शपथ समारोह में राहुल और प्रियंका गांधी मौजूद रहे। कांग्रेस ने सरकार को बाहर से समर्थन दिया है। पार्टी का कहना है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी। शपथ लेने के बाद उमर ने कहा कि उनकी गाड़ी के लिए सड़क पर कोई भी ग्रीन कॉरीडोर या ट्रैफिक नहीं रोका जाएगा। उन्होंने अपने मंत्रियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी ऐसा ही करें।

यूनिसेफ की सोशल एवं बिहेवरल चेंज स्पेशलिस्ट सुश्री जिमली बरूआ ने स्टॉप सेंटर की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित किया।

सड़क और पुल निर्माण में नवीनतम तकनीकों पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार 19-20 अक्टूबर को

ईपीसी अनुबंधों के निष्पादन से जुड़ी चुनौतियों और उनके समाधान पर भी होगा विचार-विमर्श

भोपाल (नप्र)। सड़क और पुल निर्माण के क्षेत्र में उभरती नवीनतम प्रवृत्तियों और तकनीकों पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन रवीन्द्र भवन भोपाल में 19 और 20 अक्टूबर को किया जा रहा है। इसमें सड़क और पुल निर्माण की नवीनतम तकनीकों, सामग्रियों और अनुबंध निष्पादन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञ अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय सड़क कांग्रेस और मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग के सहयोग से होगा।

सेमिनार के पहले दिन 19 अक्टूबर को उद्घाटन-सत्र में केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गड़करी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न तकनीकी-सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें देशभर से आए हुए विशेषज्ञ नई तकनीकों, निर्माण सामग्रियों और ईपीसी इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन) अनुबंध निष्पादन की चुनौतियों पर अपने विचार साझा करेंगे।

पहले दिन की प्रमुख चर्चाओं में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नई तकनीकों का कार्यान्वयन, पुल निर्माण में नई मशीनरी का उपयोग, और सड़क निर्माण में उपयोग होने वाली नई सामग्रियों पर फोकस रहेगा। सड़क सुरक्षा, परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए आईटी तकनीकों का उपयोग, और सीमांत सामग्रियों के उपयोग पर भी गहन मंथन किया जाएगा।

दूसरे दिन 20 अक्टूबर को ईपीसी (ईपीसी इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन)) अनुबंधों की संरचना शेड्यूलिंग, अनुबंध निष्पादन में ठेकेदारों की भूमिका और सहायक अभियंताओं की भूमिका पर विस्तृत चर्चा होगी। इसमें अनुबंधों से जुड़े विवादों और चुनौतियों के समाधान पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। समापन सत्र में विभिन्न विशेषज्ञ और प्रतिनिधि पैनल चर्चा के माध्यम से सड़क और पुल निर्माण में नई तकनीकों के उपयोग पर अपने विचार रखेंगे।

सेमिनार का उद्देश्य प्रदेश में सड़क और पुल निर्माण की गुणवत्ता को सुधारने और नवीनतम तकनीकों के माध्यम से समयबद्ध और टिकाऊ अवसंरचना का विकास सुनिश्चित करना है। सरकारी और निजी क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर अनुभवों और नवाचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा, जिससे प्रदेश की अवसंरचना परियोजनाओं को नई दिशा और मजबूती मिल सके।

इस दो दिवसीय आयोजन से मध्यप्रदेश के अवसंरचना विकास को नई ऊर्जा मिलेगी और यह आयोजन राज्य की निर्माण परियोजनाओं में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने में सहायक साबित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व खाद्य दिवस पर किया अन्नदाता किसानों का अभिवादन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'विश्व खाद्य दिवस' पर 'सबको भोजन' की सुनिश्चितता के लिए दिन-रात परिश्रम करने वाले अन्नदाता किसान भाई-बहनों और समाजसेवी बंधुओं का अभिवादन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर अपने जारी संदेश में लिखा है कि भारतीय संस्कृति में हमारे ऋषियों-पूर्वजों ने प्राणीमात्र को सम्मानपूर्वक भोजन कराने से परमात्मा की सेवा हो जाने की विराट दृष्टि प्रदान की है। उन्होंने 'बेहतर जीवन और भविष्य के लिए भोजन का अधिकार' के मंत्र के साथ भूख व कुपोषण से मुक्त भारत बनाने का प्रण लेने का आव्हान किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीं शरद पूर्णिमा की शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को शरद पूर्णिमा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा है कि प्रकृति व परमात्मा से एकात्म स्थापित करने की अथाह प्रेरणा देते अमृत पर्व शरद पूर्णिमा पर यही कामना है कि सभी के आंगन में शांति, समृद्धि और आनंद की अमृत वर्षा निरंतर होती रहे।

मानसून विदा...10 साल में तीसरी बार सबसे ज्यादा बारिश

● म.प्र.के 44 जिलों में कोटा पूरा, 200 डैम फुल; सोयाबीन-चना का उत्पादन बढ़ेगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून ने अपना सफर पूरा कर लिया है। पिछली बार प्रदेश के आधे से ज्यादा जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई लेकिन इस बार लोगों को मानसून से ये शिकायत नहीं है। 44 जिलों में कोटे से ज्यादा बारिश हुई है। नतीजा ये रहा है कि सोयाबीन का उत्पादन प्रति हेक्टेयर 2 क्विंटल तक बढ़ सकता है। गेहूं और चने के किसान भी खुश हैं। बुंदेलखंड के मैदान से मालवा के पठार तक 282 में से 200 से ज्यादा डैम करीब 100 फीसदी भर चुके हैं। सिंचाई और बिजली उत्पादन की चिंता खत्म हो गई है। भू-जलस्तर बढ़ने से पीने के पानी की किल्लत भी दूर होगी। सात दिन देरी से आया मानसून दुरुस्त गया है और सबको राहत बांट गया है। छिंदवाड़ा में मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पानी बरसा।

सबसे ज्यादा बारिश मंडला जिले में

इंदौर समेत 5 जिलों में सामान्य के बराबर पानी गिरा। उज्जैन बाउंड्री पर रहा जबकि रीवा में सबसे कम बारिश हुई। पिछली बार 27 जिलों में कम बारिश हुई थी। इस बार सिर्फ 3 जिले ही इस दायरे में रहे।

ओवरऑल तस्वीर पर नजर डालें तो एमपी में 37.3 इंच की बजाय 44.1 इंच बारिश हो गई, जो 18 प्रतिशत ज्यादा है। श्योपुर-भिंड में सामान्य से दोगुनी बारिश हो गई। जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर में अच्छा पानी गिरने के बाद 2 अक्टूबर से मानसून की विदाई शुरू हो गई।

15 अक्टूबर को आखिरी 6 जिले- बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, दक्षिणी सिवनी और बालाघाट से भी मानसून लौटने की घोषणा कर दी गई। सबसे ज्यादा बारिश मंडला जिले में 60.6 इंच और सबसे कम बारिश रीवा में 29.2 इंच हुई।

सुल्तानिया इन्फेंट्री लाइन्स में आर्मी भर्ती परीक्षा

● फर्जी प्रवेश पत्र लेकर आर्मी का एग्जाम देने पहुंची युवती, पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। शाहजहानाबाद पुलिस ने झारखंड की एक युवती के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। युवती पर आरोप है कि युवती फर्जी प्रवेश पत्र लेकर आर्मी में भर्ती होने के लिए पहुंची थी। इस मामले की शिकायत सुल्तानिया इन्फैंट्री लाइन्स शाहजहानाबाद की तरफ से की गई थी।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार को सुल्तानिया इन्फैंट्री लाइन्स में आर्मी भर्ती परीक्षा का दूसरा फेज चल रहा था। प्रवेश पत्र चेक करने के दौरान शंका होने पर दो युवतियों रुपा और रीमा को पकड़ा। दोनों के प्रवेश पत्र पर फोटो, नाम, पता अलग-अलग था। जबकि रोल नंबर एक जैसा था। जब आर्मी पोर्टल के साइबर सेल में पड़ताल की तो मालूम हुआ कि रीमा का प्रवेश पत्र सही है। जबकि रुपा ने फर्जी प्रवेश पत्र बनवाया है। रुपा से पूछताछ की तो उसने बताया कि 21 अप्रैल को पटना में आर्मी भर्ती परीक्षा में भी बैठी थी। पुलिस ने आरोपी रुपा भारती (23) झारखंड को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

शुभम सुसाइड केस: एक ही परिवार के 12 पर एफआईआर

मां-बहन पर कमेंट किए,ट्रेन के सामने कूदकर दी थी जान

खंडवा (नप्र)। खंडवा में चार दिन पहले एक युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी थी। सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने इस केस में एक ही परिवार के 12 लोगों को आरोपी बनाया है। वे युवक को बीते दो साल से परेशान कर रहे थे। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। मृतक के परिवार वाले घटना वाले दिन से आरोपियों पर कार्रवाई की मांग रहे थे। घटना 12 अक्टूबर की दोपहर 4 बजे की है। पंधाना थाना क्षेत्र के ग्राम बगमार में रेलवे ट्रैक किनारे एक युवक का शव मिला था। जिसकी पहचान गांव के ही शुभम पिता विजय हिरवे (25) के रूप में हुई थी। घटनास्थल पर पहुंचे शुभम के परिजन ने मोहल्ले में रहने वाले मोहे परिवार पर हत्या के आरोप लगाए। पुलिस ने छानबीन शुरू की तो मृतक का सुसाइड नोट बरामद हुआ। उसने मोहे परिवार के 12 लोगों पर प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया।

मां-बहन दिखती तो उन पर कमेंट करते, मुझे धमकाया - शुभम हिरवे ने सुसाइड नोट में आरोपी मोहे परिवार की प्रताड़ना का जिक्र करते लिखा कि शरद सोलंकी और विकास पटेल आए दिन मोहल्ले में घर के सामने खड़े हो जाते है। मां और बहन को लेकर कमेंट करते थे। मैंने विकास से कहा तो उसने मेरे साथ झगड़ा किया। पुलिस चौकी पर छेड़छाड़ की शिकायत करने के बाद भी वो लोग हरकत से बाज नहीं आए।

मोहे परिवार के पंकज, प्रीतम, जयराम, छोटू, नीरज, अमन, दुर्गेश, आर्यन, राहुल, देवराम, इंदर और सुजल ने गणगौर पर्व के समय मेरे पिता से मारपीट की। इस दौरान मैं घर पर नहीं था। इसके बाद इन्होंने 11 अक्टूबर (सुसाइड से एक दिन पहले) को दुर्गा विसर्जन जुलूस में डीजे पर नाचने के दौरान विवाद किया। मुझसे बार-बार विवाद कर रहे थे। पंकज और आर्यन हाथ में चाकू लेकर नाच रहे थे।

नाचते-नाचते यह लोग मेरे ऊपर टूट पड़े और पंकज और जयराम ने मुझे मारने के लिए तलवार निकाली। देवराम, राहुल ने मेरे पिता के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। ये सभी लोग काफी दिनों से मुझे सता रहे थे। आए दिन रास्ता रोककर धमकाते, गालियां देते और मां-बहन पर कमेंट करते थे। मेरी मौत का कारण यह सभी लोग हैं।

उन लोगों ने रास्ते पर मकान बनाया, हमने आपत्ति ली - शुभम के पिता विजय हिरवे का कहना है कि मोहे परिवार ने सरकारी रास्ते की जमीन पर मकान बना लिया हैं। रास्ता इतना सकरा हो गया कि बैलगाड़ी नहीं निकल पाती हैं। हमने अतिक्रमण को लेकर आपत्ति ली तो उन लोगों ने धमकाया। उनका परिवार काफी बड़ा है, गुंडागर्दी करना और कच्ची शराब बेचना ही उनका व्यवसाय हैं। हमारे परिवार को परेशान करके रख दिया। बेटा शुभम खंडवा में डीजे साउंड की दुकान पर काम करने जाता था। ये लोग उसे रास्ते में रोक लेते थे। बाइक के सामने बाइक अड़ा देते तो मारने की धमकी देते थे। दुर्गा विसर्जन के जुलूस में इन लोगों ने बेटे के साथ मारपीट की। वो इतना परेशान हो गया है रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन के सामने कूद गया।

गैंगमैन को ट्रैक पर मिला सुसाइड नोट और मोबाइल - बोरगांव चौकी प्रभारी रामप्रकाश यादव का कहना है कि, मृतक शुभम का शव रेलवे ट्रैक पर मिला था। उसने ट्रेन के सामने कूदकर जान दी थी। गैंगमैन को सुसाइड नोट और क्षतिग्रस्त मोबाइल भी रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला था। मर्ग जांच और सुसाइड नोट के आधार पर 12 लोगों को आरोपी बनाया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

भोपाल शहर में बिजली चोरी पर कंपनी ने की कड़ी कार्यवाही

● रिलायबल पैथ लैब में डायरेक्ट तार डालकर की जा रही थी बिजली चोरी

● 3 लाख 95 हजार का बिल जारी, राशि जमा नहीं करने पर होगी जेल

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मंगलवार को सघन चैकिंग अभियान के दौरान भोपाल शहर में डायरेक्ट तार डालकर बिजली का अनधिकृत उपयोग करने वालों पर कार्रवाई की गई। लालघाटी क्षेत्र के जैन नगर स्थित रिलायबल पैथ लैब के संचालक श्री रामस्वरूप राजपूत के विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर 3 लाख 95 हजार का बिल जारी किया गया है।

गौरतलब है कि इन दिनों मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में बिजली चोरों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाकर विद्युत चोरी, अनधिकृत टैरिफ उपयोग एवं मीटर बायपास के प्रकरण दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में कंपनी ने शहर वृत्त भोपाल के उत्तर संभाग अंतर्गत इमामीगेट जोन के अतंर्गत जैन नगर, लालघाटी, म.नं.234 स्थित रिलायबल पैथ लैब बिल्डिंग के बेसमेंट में चेकिंग के दौरान गैर घरेलू उपयोग के लिये डायरेक्ट तार डालकर अनधिकृत रूप से विद्युत की चोरी की जा रही थी। कंपनी द्वारा श्री प्रतीक बडकुल के परिसर में किरायेदार श्री रामस्वरूप राजपूत द्वारा 7.745 किलो वॉट विधुत भार का अनधिकृत उपयोग गैर घरेलू उद्देश्य (पेथ लैब) में किया जा रहा था। कंपनी के सहायक प्रबंधक श्री अरूण शर्मा एवं जांच टीम द्वारा मौके पर ही विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत डायरेक्ट विद्युत चोरी का प्रकरण दर्ज कर विद्युत सप्लाई विच्छेदित की गई एवं प्रकरण में लैब संचालक को मौके पर ही 3 लाख 95 हजार रूपये का बिल जारी किया गया।

उल्लेखनीय है कि बिजली कंपनी द्वारा चोरी के विरूद्ध लैब संचालक को जारी की गई क्षतिपूर्ति की राशि जमा नहीं की जाती है तो प्रकरण को विशेष विद्युत न्यायालय में दर्ज कराया जाएगा। विद्युत चोरी के प्रकरणों में राशि जमा न करने पर 3 वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी आम लोगों से आग्रह किया है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। अनधिकृत या अवैध रूप से बिजली का उपयोग न करें। बिजली चोरी दण्डनीय अपराध है तथा इसमें जुर्माना और कारावास का भी प्रावधान है।

भोपाल में यूपीएससी-एमपीपीएससी की फ्री कोचिंग शुरू होगी

● 18 अक्टूबर से होंगे रजिस्ट्रेशन

● पहले आओ-पहले पाओ के तहत चयन, बारी-बारी से पढ़ाएंगे अफसर

भोपाल (नप्र)। भोपाल में यूपीएससी और एमपीपीएससी की फ्री कोचिंग शुरू होगी। 18 से 25 अक्टूबर के बीच रजिस्ट्रेशन किए जाएंगे और 'पहले आओ-पहले पाओ' के हिसाब से युवाओं का चयन होगा। कोचिंग में अधिकारी भी बारी-बारी से पढ़ाएंगे। एनजीओ और स्वयंसेवी लोगों की मदद भी ली जाएगी।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश के बाद निःशुल्क कोचिंग शासकीय हमीदिया ऑर्ट्स एवं कॉमर्स कॉलेज गिन्नौरी में शुरू की जा रही है। कलेक्टर सिंह ने बताया, भोपाल के ऐसे युवा जो यूपीएससी एवं एमपीपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए निःशुल्क कोचिंग क्लासेस शुरू की जा रही है। जिससे जरूरतमंद और इच्छुक युवा लाभ उठा सकें। नवंबर से कोचिंग की शुरुआत हो जाएगी।

एनजीओ की मदद से शुरू कर रहे - एक एनजीओ- आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के सहयोग से यह कोचिंग शुरू की जा रही है। एनजीओ से जुड़े राम लखन मीणा ने बताया, सिविल सेवा की निःशुल्क कोचिंग के लिए 18 अक्टूबर से रजिस्ट्रेशन शुरू हो रहे हैं, जो 25 अक्टूबर तक चलेंगे। कॉलेज में ही यह कार्रवाई की जा रही है। सुबह 8 से 10 बजे तक स्टूडेंट्स आकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

120 युवाओं के बैठने की क्षमता

मीणा ने बताया, कॉलेज के एक हॉल में व्यवस्था कर रहे हैं। इसमें 120 युवा बैठ सकते हैं। यदि रजिस्ट्रेशन ज्यादा होंगे तो टेस्ट लेंगे। इसके आधार पर स्टूडेंट्स का चयन करेंगे।

कई अफसर पढ़ाएंगे

निःशुल्क कोचिंग में कई अफसरों की ड्यूटी भी लगाई जाएगी। ऐसे अफसर जो बच्चों को पढ़ाने में रूचि रखते हो, वे एक से दो घंटे की नियमित क्लॉस लेंगे। इसके अलावा ऐसे लोग जो विषय विशेषज्ञ है और वे पढ़ाना चाहते हैं, वे भी आएंगे।

भिंड में पटवारी 8 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भिंड (नप्र)। भिंड के अटेर अनुविभाग के रमा गांव में पदस्थ पटवारी आदित्य कुशवाह को लोकायुक्त ने 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने फरियादी से जमीन विवाद के चलते आदेश का पालने कराने के लिए रुपयों की मांग की थी। रमा गांव निवासी फरियादी सर्वेश यादव ने बताया कि उसका अपने परिवार के सदस्यों से छह बिस्वा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

सीएम हेल्पलाइन में भोपाल की 21 हजार शिकायतें पेंडिंग

सीएम की समीक्षा से अफसरों की उड़ी नींद; अब पूरा फोकस निराकरण पर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 अक्टूबर को सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करेंगे। भोपाल में 21 हजार से ज्यादा शिकायतें पेंडिंग हैं। इनमें अकेले नगर निगम की ही 5 हजार शिकायतें हैं। ऐसे में अब पूरा फोकस निराकरण पर है।

इसे लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह अफसरों की बैठक भी ले चुके हैं। वहीं, जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह को विभागवार समीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ताकि, शिकायतों का आंकड़ा कम हो सके। मंगलवार के बाद बुधवार को भी अफसरों की मीटिंग हुई।

100 दिन पुरानी शिकायतों पर ज्यादा जोर

भोपाल में 100 दिन पुरानी शिकायतों को निपटाने पर ज्यादा जोर है। कलेक्टर सिंह ने भी स्पष्ट कहा है कि ऐसी शिकायतों को अनावश्यक रूप से पेंडिंग न रखें। वहीं, 50 दिन पुरानी शिकायतें भी निपटाई जा रही हैं।

10 दिन में आधी शिकायतों के निराकरण का टॉरगेट

अगले 10 दिनों में आधी शिकायतों के निराकरण का टॉरगेट है। ताकि, सीएम के सामने जब पेंडिंग शिकायतों को लेकर प्रजेंटेशन हो तो भोपाल की स्थिति बेहतर रहे। वर्तमान में प्रदेश की 46वीं रैंकिंग है। इसे सुधारने पर भी फोकस है।

ये शिकायतें सबसे ज्यादा

नगर निगम की ज्यादातर शिकायतें स्ट्रीट डॉग्स, अतिक्रमण, सीवेज, आवारा पशु, स्ट्रीट लाइट, बिल्डिंग परमिशन, सफाई से जुड़ी है। हर सप्ताह महापौर मालती राय समीक्षा जरूर करती हैं, लेकिन नई शिकायतों से आंकड़ा बढ़ा हुआ रहता है।

इसलिए भी आंकड़ा बढ़ा

भोपाल में हर मंगलवार को जनसुनवाई होती है। जिसमें औसत 100 आवेदन आते हैं। इन शिकायतों को भी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किया जाता है। इसलिए आंकड़ा बढ़ा हुआ है। राजस्व विभाग की नामांकन, सीमांकन, बंटाकन समेत जमीन से जुड़े मसलों को लेकर शिकायतें हैं।

ट्यूशन टीचर के बेटे ने बच्ची से की अश्लील हरकत

शरीर पर खरोंच, पुलिस ने मेडिकल के लिए भेजा; थाने में बजरंग दल का हंगामा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बागसेवनिया में रहने वाली साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ गंदी हरकत करने का मामला सामने आया है। आरोप मासूम की ट्यूशन टीचर के बेटे पर है। घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है।

बच्ची के शरीर पर निशान देखकर मां ने बुधवार सुबह यह बात पड़ोसियों को बताई। इसकी जानकारी विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं तक पहुंची। इसके बाद कार्यकर्ता बच्ची और उसकी मां को बागसेवनिया थाने लेकर पहुंचे। आरोपी पर एफआईआर और गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

पुलिस ने बच्ची को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की टीम के साथ मेडिकल के लिए रवाना किया है।

डीसीपी जोन-2 संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि बच्ची घर के पास ही एक महिला के पास ट्यूशन के लिए जाती है। बुधवार दोपहर बच्ची के परिजन उसे थाने लेकर आए थे। उसकी मां ने बताया कि उन्हें बच्ची के साथ गलत काम किए जाने का शक है। उन्हें ट्यूशन टीचर के 19 साल के बेटे पर शक है। बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। सीडब्ल्यूसी की टीम बच्ची के साथ है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

विहिप कार्यकर्ताओं ने गंभीर आरोप लगाए - विहिप कार्यकर्ता जितेंद्र चौहान ने बताया कि बच्ची गरीब परिवार की है। मां घरों में काम करती है। पिता नहीं हैं। पास में रहने वाले दूसरे समुदाय की एक महिला ट्यूशन पढ़ाने का काम करती है। बच्ची यहीं पढ़ती है, मंगलवार को ट्यूशन से आने के बाद बच्ची रो रही थी। मां ने उससे पूछताछ की, बच्ची कुछ बता नहीं सकी। बच्ची को चेक करने पर मां ने पाया कि उसके शरीर पर खरोंच के निशान हैं। इसकी जानकारी बजरंग दल और विहीप कार्यकर्ताओं तक आई। तब बच्ची के घर पहुंचे और उसकी मां के साथ शिकायत दर्ज कराने थाने आए।

संपादकीय

देश का भविष्य तय करेंगे ये चुनाव

देश के दो राज्यों महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों की तारीखों का बिगुल बजने के बाद सभी की नजरें इन चुनाव नतीजों पर लगी हैं। कारण कि यह मात्र दो राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव नहीं है बल्कि इससे देश सियासी भविष्य भी तय होगा। साथ ही दो प्रमुख राजनीतिक गठबंधनों और चार राजनीतिक दलों की किस्मत का फैसला भी मतदाता करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को दोनो राज्यों के बहुप्रतीक्षित चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया। इसके मुताबिक महाराष्ट्र में 20 नवंबर को तथा झारखंड में क्रमशः 13 व 20 नवंबर को मतदान होगा। मतगणना 23 नंवबर को होगी। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में 2 लोकसभा व 48 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के लिए भी वोट डाले जाएंगे, जिनमें मप्र की दो सीटें विजयपुर व बीना शामिल हैं। उपचुनावों में यूपी की 9 विधानसभा सीटों का विशेष महत्व है, क्योंकि इनके नतीजों को राज्य में 2027 होने वाले विधानसभा चुनावों के आईने में देखा जाएगा। चुनाव आयोग ने यूपी की मिल्कीपुर विस सीट का चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया है, जिसके पीछे कारण जनहित याचिका लगा होना बताया जाता है। हालांकि इस चुनाव कार्यक्रम को लेकर भी आयोग की नीयत पर विपक्ष उंगली उठा रहा है। पहला सवाल तो महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में चुनाव एक चरण में तो झारखंड जैसे छोटे राज्य में दो चरणों में कराने पर है। इस बारे में चुनाव आयोग का कहना है कि चूंकि झारखंड नक्सल प्रभावित राज्य है, इसलिए सुरक्षा कारणों से ऐसा किया जा रहा है। जबकि विपक्ष को आशंका है कि ऐसा भाजपा और मोदी सरकार के दबाव में किया जा रहा है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में विस की 288 तथा झारखंड की 81 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। झारखंड में अभी झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस गठबंधन की सरकार है। इस बार चुनाव में महागठबंधन उतरेगा, जिसमें राजद और वामपंथी भी शामिल हैं। अगर लोकसभा चुनाव नतीजों का ट्रेंड वही रहता तो झारखंड में भाजपा की वापसी की काफी संभावनाएं है। वहां एनडीए भाजपा के नेतृत्व में आजसू, एलजेपी के साथ मिलकर लड़ेगा। लेकिन महाराष्ट्र का मसला बहुत उलझा हुआ है। अगर लोकसभा चुनाव का ट्रेंड ही जारी रहता है तो राज्य में इंडिया गठबंधन ही सत्ता में आएगा। इस गठबंधन में कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना(उद्धव) प्रमुख रूप से शामिल हैं। कुछ छोटे दल भी साथ आ सकते हैं। दूसरी तरफ एनडीए गठबंधन में भाजपा, शिवसेना (शिंदे), राकांपा (अजीत) मुख्य रूप से शामिल हैं तथा कुछ अन्य छोटे दलों को साथ लेने की कोशिश भी जा रही है। हालांकि दोनों गठबंधनों में सीट बंटवारे और भावी सीएम कौन होगा, यह विवाद है। दोनों गठबंधनों की कोशिश है कि बिना चेहरे को प्रोजेक्ट किए ही चुनाव लड़ा जाए। जीत के बाद तय होगा कि कौन होगा मुख्यमंत्री। दरअसल बीते दो सालों में महाराष्ट्र की राजनीति इतनी बदल गई है कि आगे क्या होने वाला है, इसका अंदाजा लगाना बेहद कठिन है। इतना तय है कि ये चुनाव शिवसेना और राकांपा के दोनों गुटों का भविष्य तय कर देंगे कि असली पार्टी कौन सी है। शरद पवार जैसे वयोवृद्ध नेता के लिए तो यह आरपार की लड़ाई है। अगर हारे तो उनकी राजनीति पर पूर्ण विराम लग जाएगा और जीते तो भतीजे अजीत पवार का भविष्य अंधेरे में होगा। यही स्थिति शिवसेना में उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे की होनी है। महाराष्ट्र के नतीजों का सीधा प्रभाव दिल्ली में मोदी की एनडीए सरकार पर भी पड़ेगा। अगर महाराष्ट्र में एनडीए ने मात खाई तो दिल्ली में भाजपा के सहयोगी दल सरकार गिराने और दूसरे गठबंधन में शामिल होने से नहीं हिचकेंगे। यह भाजपा के लिए भारी झटका होगा।

नजरिया

वेद विलास उनियाल

वरिष्ठ पत्रकार, विदेशी मामलों के जानकार

कनाडा विवाद : ट्रूडो की शरारत पर भारत भी चुप नहीं

भारत की कोशिश कनाडा और भारत के संबंधों को बेहतर बनाने की रही है। कनाडा की परिस्थितियों का कहीं भारत पर असर पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन जस्टिस ट्रूडो की सियासत में भारत को लेकर पंगे इस तरह से हुए हैं कि धीरे-धीरे संबंध कटुता में बदल गए हैं। जस्टिन ट्रूडो अपनी सियासत को बचाने के लिए उस दौर तक चले गए हैं जहां संबंधों में अंतराष्ट्रीय मानकों का भी लिहाज नहीं कर रहे। भारत ने उनके बेतुके बयान पर कनाडा के छह राजनयिकों का निष्कासन करके अपने रुख को भी बतला दिया है।

कनाडा और भारत के संबंध भी तल्ख हो गए हैं। कनाडा में 2015 में आई लिबरल पार्टी की ट्रूडो सरकार के रुख से संबंध तनावपूर्ण बने रहे। कनाडा की सियासत में वर्चस्व बनाए रखने के लिए उन्होंने जो रास्ता अपनाया उसने भारत और कनाडा के बीच एक बड़ी दरार पैदा कर दी। ट्रूडो सीधे-सीधे खालिस्तान समर्थकों को प्रभावित करने के लिए ऐसे बेतुके बयान देते रहे हैं, जिसने दोनों देशों के रिश्तों को कटुता में बदल दिया। वह यहां तक बढ़ गए कि कनाडा के नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय राजनयिक और सुरक्षा ऐजेसियों पर आरोप लगाए गए। जबकि, भारत के जरिए इस मामले में सबूत मांगे जाने पर कनाडा सरकार ने कोई सबूत उपलब्ध नहीं कराया। लेकिन, तीसरी बार फिर कनाडा सरकार की तरफ से इस बयानवाजी को फिर दोहराया गया तो भारत सरकार ने सख्त एक्शन लिया।

भारत में कनाडा के डिप्टी हाईकमिश्नर को तलब किया गया और छह राजनयिकों को 19 अक्टूबर को रात 12 बजे से पहले देश छोड़ने के लिए कहा गया। हालांकि, इसकी प्रतिक्रिया में पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि उनके देश ने भारत के साथ संबंधों में कड़वाहट पैदा करने का कोई विकल्प नहीं चुना है। लेकिन, कनाडा ने भी भारत के छह राजनयिकों को स्वदेश जाने के आदेश दिए हैं। इसके पीछे कनाडा की सियासत में लिबरल और कजरवेटिव पार्टी के संघर्ष को देखना होगा। खासकर ऐसी स्थिति में जब ट्रूडो की सरकार तेजी से अलोकप्रिय होती जा रही हो और खालिस्तान समर्थन के लिए जानी गई जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ने भी उनसे दूरी बना ली हो।

कास्ट आफ लिविंग, स्वास्थ सेवा खराब होने और अपराध दर में वृद्धि होने से ट्रूडो सरकार की छवि गिरी है। ट्रूडो की लिबरल पार्टी को इससे पहले मांट्रियल और टोरंटो के स्थानीय चुनाव में पराजय मिली। जल्दी ही कनाडा में चुनाव होने हैं। जबकि, इसके विपरीत कंजरवेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवरे अपनी छवि लोगों के बीच बना रहे हैं। पश्चिम के राजनयिक समीक्षकों का मानना है कि जिस तरह ब्रिटेन में चुनाव नतीजों का आभास पहले ही होने लगा था वैसे ही स्थिति कनाडा की भी बन रही है। ऐसे में ट्रूडो इस बात की कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें किसी तरह सिख समुदाय के वोट मिले। कनाडा में भारतीय बड़ी संख्या में रहते हैं। वहां 27 लाख से ज्यादा भारतीय हैं। इसमें भी 2 प्रतिशत से ज्यादा सिख है। सिखों का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि ट्रूडो जब 2015 में देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने टिप्पणी की थी कि उनकी सरकार में मोदी मंत्रिमंडल से ज्यादा सिख है।

इस समय भी उनकी केबिनेट के तीन सदस्य सिख है। कनाडा में 127 साल पहले सिख का जाना भी ऐतिहासिक घटना है। भारतीय सैनिकों की एक टुकड़ी कनाडा गई थी। जिसमें मेजर केसर वहीं बस गए। इसके बाद सिख लोगों का वहां जाना शुरु हुआ। आज कनाडा में लगभग सात लाख सिख है। 2-3 प्रतिशत वाला सिख समाज वहां का चौथा सबसे बड़ा समुदाय है। ट्रूडो खालिस्तानी समर्थकों का उनपर विश्वास बना रहे।

हालांकि ऐसा कोई आकलन या पैमाना नहीं है कि खालिस्तानी समर्थकों के कहने पर वहां सिख बिरादरी अपना मतदान करती हो। ऐसा नहीं कनाडा के सभी सिखों की कोई सहानुभूति खालिस्तान समर्थकों के साथ दिखती हो। बल्कि, कई बार कनाडा में इनके खिलाफ भी

अपनी पार्टी की कमजोर स्थिति को भापंकर लंबे समय से सिखों को साधने की कोशिश कर रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने अंतराष्ट्रीय संबंधों की सीमाओं को लांघकर ऐसे कदम उठाए हैं जो किसी भी तरह उचित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने यह धारणा बना कर रखी कि खालिस्तान समर्थकों को प्रभावित करने पर सिख समुदाय उनके साथ जुड जाएगा। ऐसे में सिख आबादी उनके पक्ष में मतदान करेगी। ट्रूडो ने केवल बेतुके बयान ही नहीं दिए। वह खालिस्तान समर्थकों की खालसा परेड में भी शामिल हुए। उनकी सरकार ने भारतीय वाणिज्य दूतावास के आगे प्रदर्शन करने वालों पर प्रतिबंध लगाने से इंकार किया। वह पूरी कोशिश करते रहे कि खुलकर प्रदर्शन भी हुए। लेकिन, ट्रूडो सरकार ने खालिस्तान की मांग करने वालों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की है। उसकी दिक्कत इस बात से भी बढ़ी है कि जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का अब साथ नहीं है। जगजीत सिंह खालिस्तान समर्थक हैं। ऐसे में ट्रूडो सिख समुदाय को लुभाने के लिए किसी हद तक जाने को तैयार हैं। वह कुछ समय पहले खालिस्तानियों के खालसा प्रेड में भी शामिल हुए थे। आपरेशन ब्लू स्टार के 40 वर्ष पूरे होने पर टोरंटो ओटारियो में आपत्तिजनक झांकियां भी निकली।

कनाडा में जब खालिस्तान पर जनमत संग्रह हुआ तो यह एक तरह से दूसरे देश पर हस्तक्षेप का सवाल मानकर रोका जाना चाहिए था। लेकिन, ट्रूडो सरकार ने कनाडा की धरती पर यह सब होने दिया। उनकी सरकार ने गुरुद्वारों में भारतीय अधिकारियों के जाने पर रोक लगाई। भारत में 2021 में किसान आंदोलन के समय कनाडा से सरकारी स्तर और सरकार प्रभावित मीडिया एजेंसियों के जरिए काफी दुष्प्रचार होता रहा। ट्रूडो के एजेंडे में सिख समुदाय को साधने की कोशिश दिखती है। इसके लिए उन्होंने ऐसी लाइन पकड़ी, जिसमें भारत कनाडा के संबंधों की भी परवाह नहीं की गई। गौरतलब है भारत के चार लाख युवा कनाडा में पढ़ रहे हैं। दो लाख युवा हर वर्ष कनाडा पढ़ने जाते हैं। पश्चिम की एक समाचार एजेंसी ने कहा था कि भारत में कनाडा की 600 से ज्यादा कंपनियां काम कर रही है।

भारत कनाडा का 10वां बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत कनाडा व्यापार लगभग 10.50 बिलियन अमेरिकी डालर का है। लेकिन, ट्रूडो को अपनी सियासत के आगे कोई दूसरी चीज नजर नहीं आ रही। दशकों पहले भारतीय ने रोजगार के लिए जिस देश को प्रथामिकता दी थी उसमें कनाडा शामिल रहा। कनाडा की नीतियां और रोजगार के अवसरों ने खासकर पंजाब के लोगों को वहां आने के लिए प्रभावित किया। पंजाब से बड़ी संख्या में लोग कारोबार और रोजगार करने कनाडा गए। धीरे-धीरे उन्होंने वहां की नागरिकता ली। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा भारतीय कनाडा में हैं। ट्रूडो सिख समुदाय को लुभाने की हर तरीके से कोशिश कर रहे हैं। वह अपनी सरकार को खालिस्तान समर्थकों के पक्षधर दिखाकर एक अलग तरह का संदेश देना चाहते हैं। जाहिर है वह इस जहर भरी सियासत में किसी बात की परवाह नहीं कर रहे हैं।

कनाडा में अपने राजनीतिक हितों के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने तौर तरीकों से दोनों देशों के रिश्तों को इस मोड़ तक पहुंचा दिया। तीसरी बार उन्होंने तल्ख टिप्पणी करके माहौल खराब किया है। भारत सरकार के लिए अब इसके सिवा कोई विकल्प नहीं था कि वह कनाडा सरकार को सही समय पर सही जवाब दे। लिहाजा स्टीवर्ट रास व्हीलर पैट्रिक हेवर्ट, मैरी कैथलीन, इयान रॉस, एडम जेम्स और पाउला जैसे राजनयिकों को देश छोड़ने के लिए कह दिया है। अजब यह है कि ट्रूडो सरकार ने अदालत के फैसले पर नहीं अपने स्तर पर ही इस तरह के बयान दिए हैं। और दो देशों के बीच संबंधों को बिगाड़ दिया है। भारत को यह कहना पड़ा है कि ट्रूडो सरकार के रवैये से और अपने राजनयिकों की सुरक्षा खतरे में देखते हुए उन्हें भारत आने का निर्देश दिया गया है।

संस्मरण

राजीव खंडेलवाल

(लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व नगर सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

'गरीबों के 'अरबपति मसीहा' व उद्योगपतियों के 'भीष्म पितामह'

मेरे जीवन के 70 वर्षों में ऐसे अनेक दुर्भाग्य पूर्ण अवसर आए, जब देश ने अनेक अनमोल रत्नों को खोया। यह पहला अवसर है, जब सर रतन टाटा के देहावसान पर देश के आम नागरिकों ने यह महसूस किया कि उनके परिवार के बीच का ही कोई 'अपना' चला गया, जिससे परिवार में उनक अनुपस्थिति 'अवसाद' के रूप में महसूस हुई। रतन टाटा की व्यक्तिगत एवं राष्ट्र निर्माण के लिए की गई उपलब्धियों, संस्मरणों को याद किया जाए तो कई किताबें लिख जाएंगीं। फिर भी कुछ महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है।

जेआरडी टाटा से वर्ष 1991 में विरासत में पाये टाटा साम्राज्य के शिल्पकार रतन टाटा 86 वर्ष की उम्र में भी सक्रियता दिखाते रहे। अभी 2 अक्टूबर को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वच्छ भारत मिशन' के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने पर 'स्वच्छता अभियान' के संबंध में उन्होंने एक वीडियो क्लिप जारी की थी। पूरे देश को अपना परिवार मानने वाले 'अविवाहित' सर रतन टाटा ने मृत्यु के दो दिन पूर्व अपने स्वास्थ्य के बाबत 'एक्स' पर अंतिम संदेश में लिखा-'उम्र संबंधी जरूरी चिकित्सा जांच करवा रहा हूं। मेरा मनोबल ऊंचा है', के साथ देशवासियों को 'मेरे बारे में सोचने के लिए शुक्रिया' कहा। वर्तमान में जिस प्रकार अंबानी-अडानी का औद्योगिक जगत में देश-विदेश में बोलबाला है, ठीक उसी प्रकार स्वतंत्रता के बाद से देश के विकास के प्रारंभिक दौर में टाटा-बिरला औद्योगिक घरानों का योगदान रहा है। जब मुंबई की प्रसिद्ध होटल वाटसंस में जमशेदजी टाटा को 'यूरोपीय न होने'' के कारण प्रवेश करने से रोक दिया गया था, तब उन्होंने अपने अपमान व नस्ल भेद नीति का माकूल जवाब वर्ष 1903 में 14 वर्ष के अथक प्रयासों से मुंबई में देश की प्रथम पंचतारा होटल ताजमहल बना कर दिया। टाटा समूह ने जमशेदजी टाटा के जमाने से लेकर आज तक औद्योगिक विकास के अलावा, टाटा ट्रस्टों के माध्यम से देश के आम नागरिकों के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में मानवतावादी व परोपकारी सहायता व विकास के नए अतुल्यनीय 'आयाम' स्थापित किये। इसके शिल्पकार मुख्य रूप से सर रतन टाटा ही थे। शायद इसलिए आज उनके स्वर्गवासी होने पर सर रतन टाटा की चर्चा 'उद्योगपति'' से ज्यादा सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न ट्रस्टों के माध्यम से किये गये उनके योगदान को याद कर के की जा रही है।

रतन टाटा के व्यक्तित्व में एक नागरिक व समाज की आवश्यकता के अनुरूप नये-नये फ्लेवर, इनोवेशन (नवाचार) का जुनून सवार था, जिसे कार्यरूप में परिणत करने की जो जिजीविषा थी, वह निश्चित रूप से उन्हे अन्य किसी भी दान-दाताओं से अलग विशिष्ट व्यक्ति बनाती है। फिर चाहे नैनो कार के उत्पादन ही बात क्यों न हो। यह विचार उनके मन तब आया, जब उन्होंने एक परिवार को मोटरसाइकिल के पीछे महिला वह बीच में बच्चे को बैठकर जाते देखा। तब उनके मन में यह विचार आया कि ऐसे सामान्य व्यक्ति की आर्थिक क्षमता के अंदर क्या कोई चौपाहा वाहन (कार) उपलब्ध कराई जा सकती है? तब 1 लाख रू. की नैनो कार देश में आई। वर्ष 1941 में देश के असंख्य कैंसर पीड़ितों के लिए 'टाटा मेमोरियल' अस्पताल स्थापित किया गया। तथापि उसका प्रबंधन वर्ष 1957 में भारत सरकार के अधीन हो गया था। कोरोना काल में 'अजीम प्रेमजी' के बाद रतन टाटा दूसरे सबसे बड़े दानदाता थे, जिन्होंने लगभग 1500 करोड़ से अधिक का दान दिया था। वास्तव में वे देश व विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति बनने की बजाए दूसरे सबसे बड़े दान-दाता बने। 'औद्योगिक घराने देश की सम्पत्ति के ट्रस्टी बनकर विकास करें' गांधी जी की इस सोच को सर रतन टाटा ने मूर्त रूप दिया। मुंबई बम कांड में होटल ताज पर हुए आतंकवादी हमले में 11 कर्मचारी मारे गए, तब सर रतन टाटा ने उनके परिवारों के पुनर्वास के लिए मात्र 20 दिन के भीतर ही एक ताज पब्लिक सर्विस वेलफेयर ट्रस्ट का गठन कर जो विस्तृत सहायता प्रदान की, वह विश्व के लिए एक मिसाल बनी। वे एक ऐसे दरिया दिल दान दाता थे, जिनके दान देने वाला एक हाथ का दूसरे हाथ को पता भी नहीं होता था। सर रतन टाटा अपनी आय का लगभग 65 प्रतिशत से अधिक व्यय टाटा ट्रस्टों के माध्यम से सामाजिक सरोकार के लिए करते थे। 'राष्ट्रप्रेम' उनमे इतना कूट-कूट कर उन में भरा था कि ताज होटल पर आतंकी हमला होने पर उन्होंने यह तक कह दिया था कि एक भी आतंकी बचना नहीं चाहिए, भले ही पूरी ताज बिल्डिंग को बम से उड़ाना क्यों न पड़े ? बेजुबान जानवरों खासकर डॉग्स के प्रति सर रतन टाटा का इतना ज्यादा लगाव था कि लगभग 165 करोड रुपए खर्च कर मुंबई के पॉश महालक्ष्मी इलाके में 5 मंजिला जानवरों के लिए अस्पताल इसी वर्ष खोला।

यदि रतन टाटा को ''इनसाइक्लोपीडिया'' कहा जाये तो गलत नहीं होगा। वे देश को 'आर्थिक शक्ति' से ज्यादा 'खुशहाल देश' बनाना चाहते थे। यही उनका एकमात्र विजन प्रधानमंत्री मोदी से शायद कुछ अलग सा था। इसलिए किसी ने कहा यूं ही कोई नहीं रतन टाटा हो जाता।

आज प्रायः उद्योगपतियों की छवि ईमानदारी से दूर और औद्योगिक नियमों के उल्लंघन से भरपूर होकर जहां उत्पाद की विश्वसनीयता की कमी झलकती है, इसके विपरीत टाटा उत्पाद राष्ट्रीयता व राष्ट्रवाद का भाव लिए विश्वसनीयता का एक नाम है, जो स्वयं में आईएसआई मार्क समान है। समय के पाबंद, प्रायः स्वयं फोन उठाने वाले सर रतन टाटा की इच्छानुसार स्वर्गवासी होने पर टाटा उद्योग में छुट्टी घोषित नहीं की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्तमान नीति राष्ट्र निर्माण, राष्ट्र प्रथम (नेशन फर्स्ट), मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया को रतन टाटा ने पहले ही अपने व्यक्तिगत और औद्योगिक व्यावसायिक जीवन में पूरी तरह से उतारा। परिणाम स्वरूप देश की प्रथम 'स्वदेशी कार' इंडिका का निर्माण उन्होंने किया। टाटा साम्राज्य को लगभग 100 से ज्यादा देशों में 100 से अधिक कंपनियों के द्वारा वैश्विक विश्व समूह में बदल दिया। ''वंश वाद व परिवार वाद'' से कुछ हटकर भी टाटा कंपनियों में परिवार के बाहर के लोगों को भी भागीदारी प्रदान कर सर रतन टाटा ने उनकी योग्यता और कर्मठता को मान्यता दी।

रतन टाटा को भी पद्म भूषण और पद्म विभूषण मिलने के बाद भारत रत्न देने की मांग की जा रही है, जो उनके प्रति देश की सही श्रद्धांजलि होगी। यद्यपि अपने जीवन काल में रतन टाटा ने जीते जी इस मांग का विरोध किया था।

एक सही कदम की आवश्यकता

अभिव्यक्ति

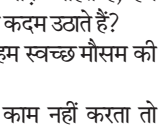

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

किसी भी लेख को लिखने से पहले देश-विदेश में चर्चित ज्वलंत विषयों की सूची पर ध्यान जाना आम बात है। लेकिन कोई भी विषय ज्यादा समय तक समाज में अपना आकर्षण नहीं बना पाता, ऐसा क्यों होता है? यह प्रश्न हर बार हमारे सामने आता है। हम अपने आसपास एक स्वच्छ समाज चाहते है। पर फिर भी ना तो अपराध कम हो पा रहा है और ना ही हम आने वाली पीढ़ी को कुछ नया दे पा रहे है। वही पुराने विचार और वही पुरानी समस्याएं जिनका हल हम निकाल पाने में आज तक असफल है।

हर बार समाज में एक नया आन्दोलन लाने के लिए समस्याए तो ज्वलंत होती है, पर वह अपने निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाती। इसका सबसे बड़ा कारण हमारे भीतर की असफलता है। जब तक कोई भी समाज में उत्पन्न कोई भे समस्या हमें अपनी नहीं लगेगी तब तक उसका पूरी तरह से खत्म होना नामुमकिन है।

हम कुछ समय के लिए आन्दोलन तो कर सकते है, रोड जाम कर सकते है, हिंसात्मक प्रदर्शन कर सकते हैं पर हल फिर भी नहीं निकाल पाते क्योंकि हमारा पूरा ध्यान समस्या की जड़ में नहीं बल्कि उससे होने वाले अपने फायदे पर ज्यादा केन्द्रित होता है। क्या आन्दोलन करने में हमारा ज्यादा फायदा है या फिर हिंसात्मक प्रदर्शन करने में हमारा लाभ है। हम समस्या को तो बहुत पहले ही भूल चुके होते है। इसलिए आजतक किसी भी सामाजिक, राजनैतिक या मानवीय मूल्यों पर आधारित किसी भी समस्या का स्थायी हल कभी मिला ही नहीं।

हमें कुछ प्रश्नों के उत्तर खुद से ही पूछने होंगे।

- हम बिजली का बिल पूरा माफ़ चाहते है, हम बिजली बचाने के लिए क्या कदम उठाते हैं?
- पेड़ों को काटने के बाद भी हम स्वच्छ मौसम की उम्मीद कैसे कर सकते है?
- बिना एक पैसा लिए कोई काम नहीं करता तो भ्रष्टाचार कैसे कम करने की मांग कर सकते है?
- जाति के नाम पर वोट भी देंगे पर अपराध-मुक्त देश चाहिए।
- वोट वाले दिन घर से बाहर नहीं जाएंगे पर हर सरकार पर सवाल उठाना कभी नहीं भूलेंगे ।
- टैक्स चुराने के नए-नए तरीके ढूंढेंगे पर विकास तो भरपूर चाहिए।
- बिना आगे-पीछे का सोचे फ्री के लालच में अपना वोट देंगे, फिर कहेंगे की कुछ काम ही नहीं हो रहा है।

ज्वलंत विषयों पर स्थाई हल के लिए हमें सबसे पहले एक-दूसरे की बात सुनने और समझने की आवश्यकता है। जब तक हम एक-दूसरे के दुःख को नहीं समझेंगे तब तक हम किसी भी समस्या का समाधान नहीं पा सकते। कोई बात जो हमारे लिए सही है क्या उसका उतना ही सकारात्मक प्रभाव समाज पर पड़ रहा है या नहीं, इस बात को समझना बहुत ज़रूरी है।

बातचीत करके हम हर समस्या का हल खोज सकते हैं पर हम बात करते कब है? हम तो बातों में आ जाते है चाहे वह राजनेता हो, धर्मगुरु हो या फिर कोई प्रसिद्ध चेहरा ही क्यों ना हो? हमें लगता है जो यह सब कहते है वही सच है, और हम बिना सोचे-समझे इनके बताए हुए रास्ते पर निकल पड़ते है और अपने जीवन को कठिनाइयों मे डाल देते है। हम यह कभी नहीं सोचते की जो हमें रास्ता दिखा रहे है उनके परिवार में से कितने लोग रास्ते पर चलकर आन्दोलन या फिर हिंसात्मक प्रदर्शनों में भागीदारी दे रहे है?

हमें यह भी समझना होगा की हिंसा या रोष किसी भी समस्या का हल नहीं है। यदि हमे एक सफल और समृद्ध समाज की नीवं रखनी है तो हमें अपने जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाते हुए समाज के हर वर्ग के बारे में सोचना चाहिए। अपना हर कदम उठाने से पहले यह हमारे मन में यह विचार आना चाहिए की क्या मेरे इस कदम से समाज के किसी जाति या वर्ग का नुकसान तो नहीं हो रहा है?

यह बात करना जितना मुश्किल है उतना ही इसे निभाना भी कठिन है पर नामुमकिन कुछ भी नहीं है। आज का उठा हुआ हमारा एक सही कदम आने वाली भावी पीढ़ी के लिए एक अच्छे सुखद समाज की नींव रखेगा।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ.महेन्द्र अग्रवाल

(व्यंग्यकार और लेखक)

साहित्यकार

जो व्यक्ति साहित्य में अच्छे या बुरे का भेदभाव किए बिना अपनी मातृ संस्था की वैचारिकता को सर्वोपरि मानकर निर्विकार भाव से केवल उसे आकार देने को उद्यत बने रहते हैं या घुमा फिराकर इसी बात को राजनीतिक ढंग से कहकर अपने लेखन की टंडीली कार को चलाने या ठेलने की कूबत रखते हैं, उन्हें साहित्यकार कहते हैं।

कुछ प्रखर बुद्धि वाले अकादमिक परजीवी (एकेडमिक पेरासाइट) जो वैचारिक प्रतिबद्धता के नाम पर पहले प्रगतिशील अब स्वघोषित राष्ट्रवादी हैं अपने हित में कार्य करने वाले मदांध-आर्यपुत्रों को ही साहित्यकार कहते मानते हैं।

कहने वाले इन्हें नेताओं से थोड़ा छोटा अभिनेता, और अभिनेता से थोड़ा बड़ा नौटंकीबाज नेता कहने से नहीं चूकते। यह खुद को दिनकर का वंशज बताते, जताते और झूठ को सौ बार बोलकर सच बनाने की शक्ति को दोहराते-दोहराते, पहले विधायी सदन की मेंबरी और बाद में मंत्रिमंडल में घुसने के जुगाड़ में लगे रहते हैं।

इस बिरादरी में सभी अपने को बड़ा भारी बुद्धिजीवी समझते हैं इसलिए बहुसंख्यक बुद्धिजीवी अपने साथियों की तुच्छ बुद्धि पर तरस खाकर उन्हें दया का प्राणी मात्र ही समझते हैं जो आगामी सत्ता परिवर्तन न होने तक स्वाभाविक है। इनमें साहित्यिक अकादमियों के प्रमुख या निदेशक विशेष रूप में उल्लेखनीय हैं।

साहित्य में इन दिनों पंत जैसे विश्वसनीय सुकुमार चॉकलेटी कवियों और मध्य में रहने को उद्यत मध्यम श्रेणी वाले गुलाबी शायरों की भारी डिमांड है। क्यों? क्योंकि एक निश्चित अवधि उपरांत काम या कुंठा के विविध आयाम ही इन्हें बड़ी सृजन शक्ति प्रदान करते हैं। शुरु शुरु में यह अपना लिखा पढ़ने में असमर्थ होते हैं इसलिए मंच और माइक पर बोलते कम हैं बड़बड़ाते या बुदबुदाते अधिक हैं।इसलिए झेलने की सीमा से बाहर तक रचना उत्पत्ति की पृष्ठभूमि बखानते हैं।

कुछ उदारवादियों का मत है कि साहित्य में ठेलने और पेलने वालों से इतर झेलने वालों को भी साहित्यकार मानना चाहिए। आखिर उनका क्या दोष है जो उन्हें इस जन्म में श्रोता रूप में उपस्थित होना पड़ा।

यद्यपि जहां न सार, न हित न कार वहां भी साहित्यकार होते हैं और इस विचार को मानने वालों की देश में कमी नहीं है।आप सहमत हैं या नहीं इसका कोई मतलब नहीं है क्योंकि देश में लोकतंत्र होने का और मतलब ही क्या है?

राजनीति में जैसे गुनाहों के देवता अमात्य बनकर शालीन प्रतीत होते हैं वैसे ही लिखा पढ़ी करने वाले समाज में पीने खाने वाले साहित्यकार भी सभ्य और सुसंस्कृत लगते हैं। इसका एक कारण उनका प्रभा मंडल ही होता है। परम ज्ञानियों का अनुभव है कि नेताओं-अभिनेताओं की तरह इन मंचीय कवि-शायरों की शक्ल भी नमक के पानी से धोने या साबुन से रगडने पर जो चेहरा सामने आता है वह पिछले साहित्यकारों की छवि से मेल नहीं खाता।

साहित्यकारों ने देश की आज़ादी और लोकतंत्र की स्थापना में बड़ी महती भूमिका निभाई है। इसलिए लोकतंत्र से छद्म लोकतंत्र की ओर अग्रसर होते हुए आज साहित्यकारों को भूमिका विहीन बनाने का खेल बड़े जोरों पर है ।इन्हें या तो पालतू 'डॉगी बनाया जा रहा है या अपने मजमे का 'बंदर' या फिर अपने ही नामी सरकस का'शेर । यद्यपि वन्य प्राणी प्रिय मंत्री के कानूनी आदेश से डॉगी, बंदर या शेर (अब तो सरकस भी बंद हो चुके है) की उपमा देना भी खतरे से खाली नहीं है। इन्हें सकारण भौं-भौं मदारी की डुगडुगी पर नाचने वाला प्राणी तथा लाचार दहाड़ की संज्ञायें तो सादर प्रदान कर ही सकते हैं।

मैं तो अभी भी आदमी हूं ,आम आदमी और भले ही कैसा कोई प्रलोभन आए साहित्यकार नहीं आम आदमी ही बना रहूंगा ताकि मरते समय पुष्पचक्र न सही अपने साथियों-परिजनों के दो मिनट मौन धारण का हक़दार तो रहूंगा ।

आज भी प्रेरित करते हैं महर्षि वाल्मीकि के विचार

मान्यता यह भी है कि वाल्मीकि आदिकवि होने के साथ-साथ खगोल एवं ज्योतिष विद्या के भी ज्ञाता थे। इसका आधार यह है कि उन्होंने अनेक घटनाओं के समय सूर्य, चंद्र व अन्य नक्षत्र की स्थितियों का वर्णन किया है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जिसे इन विद्याओं का ज्ञान हो। महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के पुरोधा भी हैं। उन्होंने रामायण के माध्यम से श्रीराम के महान चरित्र से लोगों को अवगत करवाया है। उनके कारण ही अनंतकाल तक जनसाधारण श्रीराम से जुड़ा रहेगा। रामायण से ही हमें श्रीराम को जानने का अवसर प्राप्त हुआ है। वास्तव में रामायण एक ऐसी कथा है, जो परिवार एवं समाज में आदर्श स्थापित करती है।

जयंती पर विशेष

डॉ. सौरभ मालवीय

लेखक स्तंभकार हैं।

विगत एक दशक से देशभर में भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का स्वर्णिम युग चल रहा है। उत्तर प्रदेश सहित देशभर में सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक कार्य तीव्र गति से चल रहे हैं। भारतीय संस्कृति का विश्वभर में प्रचार-प्रसार हो रहा है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से ही संभव हो रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार राज्य में धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इसी कड़ी में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। वाल्मीकि जयंती प्रत्येक वर्ष आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। इसे महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस भी कहा जाता है। इस दिन वाल्मीकि मंदिरों को सजाया जाता है। मंदिरों में पूजा-अर्चना की जाती है। श्रद्धालु सभा का आयोजन करते हैं। मंदिरों में कीर्तन एवं रामायण का पाठ होता है। इस दिन शोभायात्रा भी निकाली जाती है।

योगी सरकार के आदेशानुसार राज्य के सभी जनपदों में वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास से मनाई जा रही है। महर्षि वाल्मीकि से संबंधित सभी स्थलों एवं मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान एवं रामायण के पाठ भी हो रहे हैं। यह कार्यक्रम जनपद, तहसील एवं विकास खंड स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं। इनके सफल आयोजन के लिए शासन ने विशेष प्रबंध किए हैं। आयोजन स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल एवं विद्युत आदि का विशेष प्रबंध किया गया है। योगी सरकार ने इसके लिए अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए हैं। समन्वय संस्कृति विभाग, सूचना-जनसंपर्क विभाग एवं पर्यटन एवं संस्कृति परिषद मिलकर कार्य कर रहे हैं। योगी सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दे रही है।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व देश के अनेक स्थानों पर वाल्मीकि जयंती केवल वाल्मीकि समाज के लोगों तक ही सीमित थी। केवल वाल्मीकि मंदिरों में ही वाल्मीकि जयंती पर कार्यक्रमों का आयोजन होता था। पूर्वाग्रहों अथवा अपरिहार्य कारणों से वाल्मीकि जयंती मनाने का समाज में अधिक चलन नहीं था। किंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के प्रयासों ने वाल्मीकि जयंती व्यापक स्तर पर धूमधाम से मनाई जाने लगी है। अब यह एक बड़ा पर्व बन चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाल्मीकि जयंती पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा था कि सामाजिक समानता और सद्भावना से जुड़े उनके अनमोल विचार आज भी भारतीय समाज को सिंचित कर रहे हैं। मानवता के अपने संदेशों के माध्यम से वे युगों-युगों तक हमारी सभ्यता और संस्कृति की अमूल्य धरोहर बने रहेंगे। महर्षि वाल्मीकि के विचार आज भी भारतीय समाज को प्रेरित करते हैं। महर्षि वाल्मीकि के आदर्श लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं। महर्षि वाल्मीकि गरीब और दलितों के लिए आशा की किरण हैं। उनकी सरकार के कदम महर्षि वाल्मीकि के विचारों से प्रेरित हैं। भगवान राम के आदर्श आज भारत के कोने-कोने में एक-दूसरे को जोड़ रहे हैं, इसका बहुत बड़ा श्रेय महर्षि वाल्मीकि को ही जाता है।

महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से भगवान विष्णु के अवतार श्रीराम का जीवन दर्शन जनसाधारण तक पहुंचाने का कार्य किया। मान्यता है कि रामायण लिखने की प्रेरणा उन्हें एक पक्षी से प्राप्त हुई थी। एक समय की बात है कि वाल्मीकि ने एक वृक्ष की शाखा पर बैठे क्रौंच पक्षी के एक युगल को देखा। वह युगल प्रेमालाप में लीन था। वाल्मीकि उस युगल को एकटक निहार रहे थे, तभी नर पक्षी को बहेलिये का एक तीर आकर लगा और वह वहीं मृत्यु को प्राप्त हो गया। अपने साथी की मृत्यु पर मादा पक्षी वेदना से तड़प उठी और विलाप करने लगी। उसके वेदनापूर्ण विलाप को सुनकर वाल्मीकि को अत्यंत दुख हुआ। वे उसकी पीड़ा से द्रवित हो उठे। इसी अवस्था में उनके मुख से स्वतः ही एक श्लोक निकला-

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वंगमः शाश्वतीः समाः।
यत्क्रौंचमिथुनादेकं वधीः काममोहितम्॥

अर्थात हे दुष्ट, तुमने प्रेम में लीन क्रौंच पक्षी को मारा है। जा तुझे कभी भी प्रतिष्ठा की प्राप्ति नहीं होगी तथा तुझे भी वियोग झेलना पड़ेगा।

मान्यता यह भी है कि वाल्मीकि आदिकवि होने के साथ-साथ खगोल एवं ज्योतिष विद्या के भी ज्ञाता थे। इसका आधार यह है कि उन्होंने अनेक घटनाओं के समय सूर्य, चंद्र व अन्य नक्षत्र की स्थितियों का वर्णन किया है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जिसे इन विद्याओं का ज्ञान हो।

महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के पुरोधा भी हैं। उन्होंने रामायण के माध्यम से श्रीराम के महान चरित्र से लोगों को अवगत करवाया है। उनके कारण ही अनंतकाल तक जनसाधारण श्रीराम से जुड़ा रहेगा। रामायण से ही हमें श्रीराम को जानने का अवसर प्राप्त हुआ है। वास्तव में रामायण एक ऐसी कथा है, जो परिवार एवं समाज में आदर्श स्थापित करती है।

किंवदंती है कि श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता का त्याग कर दिया था। इस प्रकार माता सीता को पुनः वन में आना पड़ा। उस समय महर्षि वाल्मीकि ने माता सीता को अपने आश्रम में शरण दी थी। माता सीता अपना परिचय सबको नहीं देना चाहती थीं, इसलिए महर्षि ने उन्हें वन देवी का नाम दिया था। यहीं पर लव और कुश का जन्म हुआ था। यहीं लव और कुश ने अश्वमेघ को पकड़ा था और यहीं उनकी अपने पिता श्रीराम से भेंट हुई थी। महर्षि वाल्मीकि ने भारतीय जनमानस में राम के मर्यादित जीवन और सामाजिक जीवन को स्थापित किया।

महावीर के सिद्धांतों के प्रेरक थे आचार्य विद्यासागर

अवतरण दिवस पर विशेष

आरबी त्रिपाठी व आरसी जैन

भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा परमो धर्मः के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और कालांतर में भी सदैव प्रासंगिक रहेंगे। उन्होंने समाज को एक नई दृष्टि प्रदान की और अहिंसा सत्य अस्तेय ब्रह्मचर्य अपरिग्रह का पालन करने को प्रेरित किया। प्रथम जैन तीर्थंकर रिषभ देव जी का वर्णन श्रीमद् भागवत, महाभारत और ब्रह्म पुराण आदि में भी उल्लेखित है।

भगवान महावीर के आदर्श सिद्धांतों पर चलने के लिये प्रेरणा स्त्रोत आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने ना केवल दिगम्बर जैन समाज बल्कि सम्पूर्ण मानवता को सन्मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सफल और सार्थक बनाने की शिक्षा दी। वे कठिन साधना करने वाले संत थे। उनका कहना था कि संत को विहार करते रहना चाहिये। संत को बहती गंगा की भांति होना चाहिये जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग विचारों के प्रवाह से लाभ उठा सकें। आचार्य श्री ने बगैर किसी प्रचार के अनेक जन हितकारी कार्य कराये जो युगों-युगों तक उनका स्मरण कराते रहेंगे। आचार्य श्री हमारे बीच भौतिक रूप से नहीं हैं लेकिन समाज और मानवता को उनका अवदान हमेशा अमिट और अमर रहेगा।बीते मार्च माह में कुंडल पुर (दमोह) में सम्पन्न आचार्य पद पदारोहण महोत्सव के अवसर पर जैन संतों का महामंगल मिलन सम्पन्न हुआ। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का पद मुनि श्री समय सागर महाराज को सौंपा गया है।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज त्याग, तप और संयम की प्रतिमूर्ति थे।' मूक माटी ' महाकाव्य की रचना समेत , नर्मदा का नरम कंकर, जैन गीता आदि सौ रचनाएं तथा अनुवाद का विशाल साहित्य आचार्य श्री की देशना में शामिल है। पीएचडी और मास्टर डिग्री के कई शोधार्थियों ने उनकी मूक माटी,निरंजन शतक, भावना शतक, परिषह जय शतक, सुनीति शतक आदि रचनाओं पर अध्ययन तथा शोध कई विश्वविद्यालयों में किया है। आचार्यश्री ऐसे श्रेष्ठ साधक दिगंबर मुनि थे जो दिन में केवल एक बार ही पानी पीते थे। उनके सान्निध्य में अनेक लोग बड़े पद तथा लाखों के पैकेज की नौकरियाँ छोड़कर वैराग्य की राह पर चल पड़े। मुनि परम्परा के ऐसे सिद्धहस्त आचार्य थे जिन्होंने 130 मुनियों समेत 172 आर्यिका , 20 ऐलक , तथा 74 क्षुल्लक - क्षुल्लिका को दीक्षा तथा 800 से ज्यादा भैया बहिनों को व्रत देकर आधुनिक युग में संतों की बड़ी श्रृंखला श्रमण परंपरा को दी। मुनि दीक्षा लेने में भी अधिकांश मध्यप्रदेश के और अकेले सागर एवं आसपास के ही 20 मुनि शामिल हैं।

आचार्य श्री का मध्यप्रदेश से गहरा लगाव और स्नेह रहा। उन्होंने लगभग 37 चातुर्मास मध्यप्रदेश में किये जिनमें भोपाल भी शामिल है। सादा जीवन उच्च विचार के पक्षधर विद्यासागर जी का एक पिच्छी और कमंडल के अतिरिक्त अन्य किसी वस्तु और साधनों से कोई सरोकार नहीं रहा। वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिये पद यात्रा करते थे। लगभग सवा लाख किलोमीटर से अधिक आचार्य श्री ने पदयात्रा की। स्वाधीन स्वभाव के चलते जब मन हुआ तब सम्बंधित स्थान से पदयात्रा कर चल पड़ते थे। उनके अनुयाई उनके पीछे झुण्ड बनाकर उन्हें फॉलो करते रहे।

आचार्य श्री का सामाजिक सरोकारों से भी नजदीकी नाता रहा है। उनकी प्रेरणा से अनेक गोशाला, स्कूल, अस्पताल बने। दयोदय महासंघ के बैनर तले देश भर में सैकड़ों गोशालाओं का संचालन कर लाखों गायों की जीवन रक्षा का अतिशय पुण्य कार्य भी गुरुदेव की कृपा से ही किया जा रहा है। दयानिधान आचार्य विद्यासागर जी ने सागर में 300 शैयाओं का भाग्योदय चिकित्सालय व जबलपुर में पूर्णायु आयुर्वेदिक कॉलेज का वरदान भारत को दिया है। बालिका शिक्षा और युवाओं को रोजगार सम्बंधी मार्गदर्शन की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किये गये। इंदौर स्थित रेवती रेंज समेत जबलपुर, चंद्रगिरि डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़,रामटेक महाराष्ट्र, अतिशय क्षेत्र पपौरा जी, टीकमगढ़ आदि क्षेत्रों में प्रतिभा स्थली की शुरुआत की गई। इनमें चौथी से लेकर 12 वीं तक की शिक्षा कन्याओं को दी जाती है। इतना ही नहीं आचार्यश्री ने जेल में बंद कैदियों के उद्धार के लिये भी कार्य किये। जेलों में हथकरघा लगवाये जिनमें धागा एवं कपड़ा बनता है। प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु संस्थान की प्रेरणा देकर सैकड़ों युवाओं को जीवन में उच्च पदों पर बैठकर संस्कारित अधिकारी बनकर देश,संस्कृति की रक्षा हेतु मार्ग प्रशस्त किया।

समाज के सम्पन्न वर्ग को प्रेरित कर उन्हें प्राप्त लाभ या आमदनी का कुछ भाग भगवान महावीर के सिद्धांतों के समुचित प्रचार-प्रसार और मंदिरों के निर्माण, सुधार सहित जन कल्याणकारी कार्यों पर व्यय करने का मार्ग प्रशस्त किया। भोपाल, नेमावर, कुंडलपुर समेत कई स्थानों पर तीर्थंकरों के मंदिरों का निर्माण कराया। भव्य मंदिरों के उन्नत शिखर इस तथ्य को स्वत: रेखांकित करते नज़र आते हैं।

समय के पाबंद आचार्यश्री ज्ञान के अद्भुत भण्डार थे। लेकिन उन्होंने सिर्फ उपदेश और प्रवचन ही नहीं दिये बल्कि उन पर चलने की भी प्रेरणा दी। जहां भी विराजते थे, दूर दूर के स्थानों से श्रद्धालु जन उनके दर्शन और प्रवचन सुनने एकत्र हो जाते थे। दिखावे, आत्म प्रचार और व्यर्थ के आडम्बर से दूर रहकर आचार्य श्री ने सरल,सहज और समर्पित जीवन जिया। यही कारण है कि उनके दर्शन, चिंतन, प्रवचन को सुनने वालों में दिगम्बर जैन समाज के अतिरिक्त अन्य समाज के श्रद्धालु जन, राजनेता और प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहते थे। इन पंक्तियों के लेखक को भोपाल में आचार्य श्री के दर्शन और प्रवचन सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था जब वे भोपाल के हबीबगंज क्षेत्र के जैन मंदिर में चातुर्मास के लिये विराजे थे। मेरे परम मित्र और शुभचिंतक वित्त सेवा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी आर. सी. जैन को इस बात का श्रेय है कि उन्होंने मुझे यह दुर्लभ अवसर उपलब्ध करवाया था। भोपाल को 2016 में आचार्यश्री के पावन चातुर्मास का सुअवसर प्राप्त हुआ था। उनकी सद्प्रेरणा से समसगढ़ के प्राचीन मंदिरों के पुनर्निर्माण सहित भोपाल के हबीबगंज क्षेत्र में भव्य मंदिर का निर्माण शामिल है जो राजस्थान से लाये गये पीले पत्थरों से 100 करोड़ रुपये से भी अधिक की लागत से बन रहा है। यह सुखद संयोग है कि आचार्यश्री के सान्निध्य में लगभग 70 पंच कल्याणक संपन्न हुए और इनमें से मध्यप्रदेश में ही आधे शतक से अधिक हैं। सर्वाधिक पंच कल्याणक सागर में हुए।

देश में आचार्यश्री के संदेश सदैव प्रेरणा और विचार बने। इंडिया नहीं भारत बोलो, गोरक्षा करो, भारत बचाओ, भारतीय संस्कृति और धर्म बचाओ, हथकरघा वस्त्र अपनाओ, स्वदेशी पहनो, स्वावलंबी बनो, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रतिभा स्थली आओ- शिक्षा संग संस्कार अपनाओ, पशुधन प्राकृतिक धरोहर है, इनके विनाश से ना तो हरियाली बचेगी ना पर्यावरण। ये महज नारे या स्लोगन नहीं है बल्कि देश में वर्तमान में जिस तरह का माहौल है यह सब और भी ज्यादा जरूरी तथा प्रासंगिक है।

अक्टूबर 2020 में आचार्यश्री ने अपने प्रवास में इंदौर में एक प्रमुख समाचार पत्र संस्थान के प्रतिनिधि से चर्चा के दौरान कहा था कि कभी अंग्रेजी में सपना देखा है? नहीं तो फिर हिंदी में शोध, अनुसंधान और भाव व्यक्त करने में कोताही क्यों? वर्तमान में हिंदी के साथ अंग्रेजी शब्दों का अत्यधिक प्रयोग हो रहा है। शब्दों में समृद्ध भाषा को गरीबी की ओर ले जाया जा रहा है। यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि हिंदी को निर्दोष, निष्कलंकित रखें।

अभिव्यक्ति का जो भाव हिंदी में है वो किसी और भाषा में नहीं। हिंदी को लेकर आचार्यश्री के विचारों में कितनी स्पष्टता रही यह समझा जा सकता है। ऐसे महान संत आचार्य श्री का जन्म कर्नाटक के सदलगा गांव में 10 अक्टूबर 1946 को शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था उनके पिता का नाम मलप्पा और मां का नाम श्रीमंती अष्टगे था। उन्होंने जून 1968 में आचार्य ज्ञान सागर महाराज से दीक्षा ली थी। लगभग 78 वर्ष की आयु में संलेखना विधि धारण कर स्वयं को अनंत में विलीन किया। पिछली 18 फरवरी को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चन्द्र गिरि तीर्थ में वे महासमाधि में विलीन हो गये। उनके बताये उपदेश सदैव समाज का मार्गदर्शन कर सन्मार्ग पर चलने को प्रेरित करते रहेंगे।

मोदी युग में सशक्त होती भाजपा

उपलब्धि

सुरेश पचौरी

लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं।

भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी है। इस उपलब्धि के पीछे पार्टी के करोड़ों देवतुल्य कार्यकर्ताओं की मेहनत है। कोई भी संगठन, संस्था अथवा राजनैतिक दल प्रगति के सर्वोच्च शिखर को तभी छू सकते हैं, जब उनके सामने लक्ष्य और दिशा सुस्पष्ट हो। उसका कर्मपथ तदनुरूप निर्दिष्ट हो। उस दिशा में अग्रसर होने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं का विशाल समूह साथ में हो। ऐसे कार्यकर्ता, जो राष्ट्र और समाज की बेहतरी के लिए कटिबद्ध हों तथा निःस्वार्थ सेवा व समर्थ राष्ट्र-निर्माण जिनका संकल्प हो।

विश्व की सबसे विशाल सदस्य संख्या वाली भारतीय जनता पार्टी का उदाहरण हमारे सामने है। भाजपा पंचनिष्ठाओं पर आधारित पार्टी है। ये पंचनिष्ठाएं हैं- राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सर्वधर्म समभाव, गांधीवादी समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति। भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है और वह सदैव राष्ट्रहित में काम करती है। भाजपा प्रत्येक देशवासी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। भाजपा का विरोध सिर्फ अलगाववादियों एवं आतंकवादियों से है। उन देशद्रोहियों और षड्यंत्रकारियों से है, जो राष्ट्रहित पर आघात करने के मंसूबे पालते है।

विश्व के अग्रणी नेता के रूप में प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पांच दशक के सार्वजनिक और राजनैतिक जीवन में हमने लोकप्रियता की इस ऊँचाई पर किसी नेता का आरोहण होते हुए नहीं देखा है।

भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के प्रत्यक्ष अवलोकन से स्पष्ट है कि सदस्य संख्या के मान से भाजपा दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल कीप्रतिष्ठा पहले ही अर्जित कर चुकी है।

किसी संगठन और नेतृत्व का संकल्प जब जनता से जुड़ने, जन-जन से खुद को जोड़ने और अपने आचरण व कार्य व्यवहार से जनता के दिलों को जीत लेने का होता है तो कालांतर में उसका असर स्वयमेव दिखाई देता है। भाजपा ने अपनी नीतियों से संगठन के प्रति लोगों का भरोसा जगाया है। जनमानस में यह धारणा बनने लगी है कि भाजपा ही हमारी हितैषी पार्टी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो अपना मंतव्य भी स्पष्ट कर रखा है- 'सबका साथ, सबका विकास , सबका विश्वास।' समाज का कोई भी वर्ग इससे अछूता नहीं। किसी के साथ पक्षपात नहीं। किसी के साथ भेदभाव नहीं।

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार द्वारा समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित व सर्वहारा वर्ग के हितों में अनेक ऐतिहासिक एवं कल्याणकारी निर्णय लिए गए हैं। महिला सशक्तिकरण के साथ ही नौजवानों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी के लिए उत्तम स्वास्थ, शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है। 'विकसित भारत' का सपना संजोये भारतीयों ने मोदी जी से प्रेरित होकर भाजपा के सदस्यता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। संगठन पर्व 2024 के द्वितीय चरण में अब तक नौ करोड़ से अधिक जिसमें मध्यप्रदेश में

लगभग डेढ़ करोड़ लोग भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में पंजीकृत हुए। यह उल्लेखनीय उपलब्धि भाजपा के देवतुल्य सजग कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की वजह से मिल पाई है। भाजपा के केन्द्रीय नेताओं के मार्गदर्शन व मध्यप्रदेश के कर्मठ नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कटिबद्ध है।

राष्ट्रनायकत्व का अभूतपूर्व प्रतिमान नरेन्द्र मोदी इस मान्यता में कतई अतिशयोक्ति नहीं है कि नरेन्द्र मोदी विश्व की पहली पंक्ति के नेताओं में शुमार हो चुके हैं। विश्वमंच पर उनकी बात ध्यान से सुनी जाती है। संकट-समाधान के लिए उनकी ओर आशा भरी नजरों से देखा जाता है। मोदी जी मूलतः संगठन के व्यक्ति हैं। वे बड़े गर्व से स्वयं को भारतीय जनता पार्टी का निष्ठावान कार्यकर्ता कहते हैं। यही बड़प्पन उन्हें बड़ा नेता बनाता है। पिछले 23 वर्षों से वे सत्ता के सूत्र संचालन कर रहे हैं। वे 13 वर्ष गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और 10 वर्ष से भारत के सफल प्रधानमंत्री हैं।

लोकतंत्र की एक आवश्यक शर्त महाकवि कालिदास की अमर कृति 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' में मिलती है। कालिदास जी कहते हैं- 'अविश्रामोऽयं लोकतंत्राधिकारः।' अर्थात् लोकतंत्र के अधिकार में विश्राम नहीं। नरेन्द्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो केवल घोषणा करने और निर्णय लेने तक सीमित नहीं रहते बल्कि कार्यान्वयन के प्रत्येक चरण की मानीटरिंग और समीक्षा करते हैं। कमियों को दुरुस्त करवाते हैं। अच्छे काम करने वालों की हौसला अफजाई करते हैं। देश के किस राज्य के किस कोने में क्या नवाचार किया जा रहा है, उसकी समाज के लिए क्या उपादेयता है, इन सबको परखते हुए अपने अनूठे और अभूतपूर्व लोक संवाद 'मन की बात' में उसको रेखांकित करते हैं। मोदीजी ने 10 साल से चल रहे 'मन की बात' कार्यक्रम में हजारों देशवासियों को बेहतर करने की प्रेरणा दी है। भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ता अपने यशस्वी जननेता से प्रेरणा लेकर दोगुने उत्साह के साथ काम करते हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी जीवन के संघर्षों का सामना करते हुए आगे बढ़े हैं। उन्होंने जब राष्ट्र की बागडोर संभाली, तब गरीब, किसान, नौजवान तथा महिलाएं उनकी प्राथमिकता के केन्द्र बिन्दु बने। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए निःशुल्क खाद्यान्न, किसानों के लिए सम्मान निधि, गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान चिकित्सा योजना इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री मोदी हमेशा नये भारत की बात करते हैं। नया भारत कुछ वर्षों के बाद 'विकसित भारत' बनकर दुनिया का सिरमौर बने, इसके लिए आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाना उनकी प्राथमिकता रही है। शिक्षा के क्षेत्र में तो अभूतपूर्व क्रांति हुई है। नई शिक्षा नीति ज्ञान को भारतीयता से जोड़ने की सार्थक पहल है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के सर्वांगीण विकास के लिए जो सपना संजो रखा है, उसे पूरा करने के लिए उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार प्रतिबद्ध है। निःसंदेह, मोदी जी का हर पल, हर क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित है और वे इसी संकल्प के साथ विश्व में देश का मान बढ़ाते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

तीन सिरफिरे बदमाशों ने आधी रात, आधा दर्जन राहगीरों को अचानक मारे चाकू, एक गंभीर

तीनों बदमाशों को किया गिरफ्तार, जांच जारी

संजय द्विवेदी, बैतूल। कोतवाली थाना क्षेत्र के खंजनपुर इलाके में मंगलवार की आधी रात को तीन सिरफिरे बदमाशों ने अलग-अलग स्थानों पर राहगीरों को रोककर अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसमें छह लोग घायल हुए है जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की हालत गंभीर होने पर भोपाल रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल से सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तीनों बदमाशों को रात में ही हिरासत में ले लिया है। कोतवाली टीआई देवकरण डेहरिया के मुताबिक खंजनपुर इलाके में मंगलवार रात एक बाइक पर सवार तीन युवकों ने एक के बाद एक आधा दर्जन राहगीरों पर हमले कर दिए। शराब के नशे में बाइक पर सवार होकर आए युवको के हाथों में चाकू नजर आ रहा था और आरोपी युवको पर मानो खून सवार था, रास्ते में उन्हें जो भी नजर आ रहा था, उसे धमकाने की कोशिश की जा रही थी। इसी बीच युवाओं ने करीब 6 लोगों पर प्राणघातक हमले को अंजाम दे दिया। जानकारी मिलते ही घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार रात में ही घेराबंदी कर हमला करने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि हमलावर स्वयं जिला अस्पताल पहुंच गए थे। जिन्हें वहां पकड़ लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में जानकारी सामने आई है कि हमलावर बाइकर एक हिस्ट्री सीटर के भांजे की काफी देर से तलाश कर रहे थे, इसी दौरान उन्होने रास्ते से गुजरने वाले राहगीरो पर हमला कर दिया। वही खबर लिखे जाने तक आरोपियों से हमले के कारणों को लेकर विस्तृत रूप से पुलिस द्वारा पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक हमले में शामिल आरोपी आदतन अपराधी बताए जा रहे हैं। आरोपी शुभम पवार (25 वर्ष) निवासी माचना नगर हत्या का आरोपी हैं। वह कुछ दिन पहले ही जमानत पर छूटा है। दूसरा आरोपी निहाल भुमरकर पिता सुनील निवासी बैतूल गंज भी आपराधिक मामलों का आरोपी रहा है। तीसरा आरोपी रोशन शर्मा, चोरी जैसी घटनाओं में लिप्त बताया जा रहा है। तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो धारदार बड़े चाकू बरामद कर वारदात में उपयोग की गई बाइक जब्त कर ली है।

घर लौट रहा था युवक, हमलावरों का बना निशाना

हमलावरों के निशाने का छह लोग शिकार हुए, जिसमें रोहित उईके निवासी खंजनपुर गेंदा चौक से मजदूरी कर वापस लौट रहा था। तभी हमलावरों ने उसे रास्ते में रोका और चाकू से वार कर दिए। जिसमें रोहित घायल हो गया। इसके बाद आरोपियों ने योगेश निवासी भीमपुर पानाडोह, अखिलेश निवासी झारकुंड, रामसिंह कासदे निवासी जांगड़ा रानीपुर, नंदलाल निवासी कुमारटेक, रंजित निवासी जांगड़ा इन सभी लोगों को भी रोककर चाकू से हमला किया। इसमें नन्दलाल पिता भूरा (40) निवासी कुमारटेक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिसे उपचार के लिए भोपाल रेफर कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोटर साइकिल चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दरअसल सुनित पिता अनिल कवडे (19 वर्ष) निवासी बरबटपुर थाना शाहपुर ने थाना कोतवाली बैतूल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि भारत भारती एवं जामठी के पास अपनी मोटर साइकिल सडक किनारे खड़ी कर बाथरूम के लिए गया था, तभी एक अज्ञात व्यक्ति उसकी मोटर साइकिल लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कोसमी डेम के पास एक व्यक्ति बिना नंबर की काले रंग की पल्सर मोटर साइकिल के साथ संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध से पूछताछ की। दस्तावेज मांगने पर वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। नाम पूछने पर उसने अपना नाम टी. बालामुर्गन पिता एम. थारमन (29 वर्ष) निवासी करीसलपट्टी पोस्ट आलमपट्टी, थाना थिरुमंगलम, जिला मदुरई, तमिलनाडु बताया। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने ही मोटर साइकिल चोरी की थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई काले रंग की पल्सर मोटर साइकिल विधिवत जब्त की। मोटर साइकिल की अनुमानित कीमत लगभग 1,50,000 रुपये आंकी गई है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उपनिरीक्षक वहीद खान, प्रधान आरक्षक अभिजीत खलतकर, आरक्षक अनुज यादव और प्रफुल्ल की विशेष भूमिका रही है, जिनके प्रयासों से आरोपी को शीघ्रता से गिरफ्तार किया जा सका।

छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से लैंगिक समानता का दिया संदेश

बैतूल। जेएच कॉलेज में पुलिस विभाग बैतूल एवं आवाज द्वारा अभिमन्यु अभियान संपन्न हुआ। जिसमें शासकीय कन्या महाविद्यालय बैतूल की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ कर आमजन को जागरूक किया गया एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा अभिमन्यु अभियान के सभी पहलुओं को बताया गया। नुक्कड़ टीम का मार्गदर्शन शासकीय कन्या महाविद्यालय बैतूल से एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मेघा मालवी द्वारा किया गया। पुलिस विभाग द्वारा अभिमन्यु अभियान चलाया जा रहा हैं, जिसका उद्देश्य महिलाओं के प्रति सहयोग, सम्मान एवं समानता के भाव के लिए पुरुष वर्ग को प्रेरित करना। यह कार्यक्रम स्कूल, महाविद्यालय, दुर्गा माता के पंडाल एवं चौक-चौराहों पर किया जा रहा है। नुक्कड़, कार्यशाला एवं अन्य प्रकार कि गतिविधिया की जा रही हैं। प्रतिभागी छात्रा स्मिता सलाम, पुजा काकोडिया, नीलम पंद्राम, अल्वीना कोसर, कुमकुम साहू, रवीना सलाम, मोनिका उइके, रविता इवने को पुलिस अधीक्षक द्वारा अभिमन्यु अभियान कि प्रिंटेड टी-शर्ट वितरित की। जिसमे छात्रों एवं आमजन को लैंगिक समानता का सन्देश दिया गया। नुक्कड़ के पश्चात पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने कहा कि आज तक प्रत्येक अभियान बालिकाओं एवं महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किए जाते रहे। यह पहला अभियान हैं जिसमे पुरुष वर्ग को महिलाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा हैं। आगे उदाहरण के माध्यम से बताया कि कई ऐसे प्रकरण हैं, जिसमे पुरुष वर्ग शासकीय नौकरी की पूरी प्रक्रिया से गुजरने के बाद पूर्व में किये गये लैंगिक अपराधों की वजह से चयन होते-होते रुक जाता हैं। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैतूल सुश्री शालिनी परस्ते एवं आवाज जिला समन्वयक भूपेंद्र लोखंडे द्वारा भी विभिन्न उदाहरण देकर अभियान के पहलुओं को बताया गया। गंज थाने से महिला प्रधान आरक्षक भारती राजपूत, महिला आरक्षक रुपाली, प्रियांशी पटेल, आरक्षक नरेंद्र धुर्वे एवं महिला सुरक्षा शाखा से स्टॉफ उपस्थित था। कार्यक्रम को सफल बनाने में जन साहस संस्था से सुश्री पल्लवी टाकरकर, जयराम कासदे, रामचंद्र चिल्हाटे, उमेश बारस्कर, सुश्री रंजना धुर्वे का विशेष सहयोग रहा।

दहेज प्रकरण में हुआ फैसला

बैतूल। दहेज प्रकरण के मामले में न्यायालय ने सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। जानकारी के अनुसार आरक्षी गृह सारनी ने पाथाखेड़ा निवासी शब्बीर एवं उसके परिवार के चार सदस्यो के विरूद्ध प्रार्थी की शिकायत पर भा.द.स. कि धारा 498 ए एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम कि धारा 3 एवं 4 के तहत अपराध कं. 413/2018 में मामला कायम कर न्यायालय में पेश किया था। अभियोजन के लगाये आरोपो को सिद्ध करने के लिए प्रार्थी पिंटू अंसारी, राजेश सिन्हा एवं विवेचक डी.एस. पथरिया के कथन करवाये थे। आरोपियों पर ये आरोप लगाये गये थे कि उन्होंने दहेज के लिए प्रार्थी को मानसिक शारीरिक एवं आर्थिक रूप से शादी के बाद से ही परेशान करना शुरू कर दिया था। प्रथम श्रेणी न्यायिक दण्डाधिकारी बैतूल के न्यायालय में चले दाडिक प्रकरण क. 1465/2018 में लगाये सभी आरोपों को पूरी तरह असत्य मानते हुए सभी आरोपियों को दोषमुक्त किया है। आरोपियों की ओर से पैरवी युवा अधिवक्ता सजल गर्ग, राघवेन्द्र रघुवंशी एवं सूरतराम धुर्वे ने की।

किसी धर्म की नहीं, बल्कि हर धर्म में शील का पालन करने की आवश्यकता

शराबी परिवार और समाज के लिए कलंक : पूज्य भंते महाथेरो

बैतूल। भगवान गौतम बुद्ध की शिक्षा का मूल आधार पंचशील है। जो समाज में गरीबी, लाचारी, बीमारी को दूर करने में सहायक हो सकता है, यदि समाज के लोग पंचशील का पालन कड़ाई से करे। तो हम

उच्चतम विकसित समाज का निर्माण कर सकते है। जिसमें शारीरिक, मानसिक आर्थिक, सामाजिक, आध्यात्मिक पांच भागों में उन्नति केवल मात्र पंचशील का कड़ाई से पालन करने से होता है। पंचशील बुद्ध विहार सदर बैतूल में पूज्य भंते विनय रक्खिता महाथेरो एवं भिखू संघ बैतूल से पूज्य दीपांकर भंते, कर्नाटक से आए पूज्य भंते धम्म तिस्सा, श्रामनेर यासा, श्रामनेर अनमोल नागपुर से आए हैं। वर्षावास कार्यक्रम 21 जुलाई से 20 अक्टूबर 2024 तक होना है। यह कार्यक्रम वर्षावास समिति द्वारा आयोजन किया गया है। जिसमें पंचशील में मुख्य रूप से पांचवां शील नशा पत्ती से विरक्त होना यह शील चारों शील पर भारी है। नशे में चूर आदमी हत्या, चोरी,व्यभिचार और झूठ भी बोल सकता है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखना समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है। चाहे वह किसी भी धर्म का हो। राज्य सरकारों से यह अपील की गई है कि बच्चों को नैतिक शिक्षा में शील पालन करने पर जोर दिया जाए। जिससे बच्चों का याने आने वाले समय में उच्चतम विकसित समाज का निर्माण में यह युवा पीढ़ी अपना योगदान दे सके। पंचशील का उनका सिद्धांत किसी भी मनुष्य के जीवन को सार्थक बना सकता है, जिसमें उन्होंने कहा हिंसा न करना, चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना और नशा न करना शामिल हैं।

शहर जोन-2 में मेंटेनेंस के कारण बंद रहेगी बिजली, विभाग ने जारी किया शेड्यूल

बैतूल। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-2 द्वारा 11 केव्ही चिखलार, 11 केव्ही इटारसी रोड, 11 केव्ही सदर, 11 केव्ही टिकारी, 11 केव्ही गौठाना तथा 11 केव्ही टाऊन-2 में अलग-अलग तिथियों में मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। प्रबंधक ने बताया कि आज 17 अक्टूबर को प्रात- 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक 11 केव्ही इटारसी रोड फीडर के फॉरेस्ट नॉका, बालाजी विहार, गाड़ाघाट, इटारसी रोड, चक्कर रोड, अनुराग टेंट हाऊस, सरस्वती स्कूल, बसंत पेट्रोल पंप, बीईडी कॉलेज के क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी। इसी प्रकार 18 अक्टूबर को प्रात- 10 से दोपहर 2 बजे तक 11 केव्ही सदर फीडर के एमपीईबी कॉलोनी, अग्निहोत्री कॉलोनी, सतपाल आश्रम, प्रताप वार्ड, सुपर किराना, सिंडकेट बैंक, एसबीआई बैंक गेंदा चौक, ब्रम्हाकुमारी आश्रम, मानस नगर, आईटीआई,

एफसीआई गोडउन, विनायक रेसीडेंसी, द्वारा भट्टी रोड, मिल्क प्लॉट, एचएमटी फैक्ट्री आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। 19 अक्टूबर को प्रात: 10 से दोपहर 2 बजे तक 11 केव्ही टिकारी फीडर के बच्चा जेल, प्रताप वार्ड, महावीर वार्ड, अखाड़ा चौक, जेरी चौक, गाड़ाघाट पंप, पटने आटा चक्की, नागदेव मंदिर टिकारी, इसाई चौक, नर्स ट्रेनिंग स्कूल, कृष्णपुरा ठाकरे की चाल, मोती वार्ड, डॉ.कसेरा, गोठी कॉलोनी, फांसी खदान से दादावाड़ी, गोठी कॉलोनी, फांसी खदान, डॉ.पाड़ी गौठाना नाका, शारदा नगर, वैष्णवी नगर, गंगोत्री कॉलोनी, कमानी गेट, थाना चौक, मांग मोहल्ला, दुर्गा वार्ड, गूड़ बाजार, गांधी चौक, साई मंदिर टिकारी, ग्रीन स्टेट कॉलोनी तथा भुजलिया घाट के क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। 21 अक्टूबर को प्रात- 10 से दोपहर 2 बजे तक 11 केव्ही गौठाना फीडर के शारदा नगर, गौठाना, रानीपुर रोड, फांसी खदान, पाड़ी हॉस्पिटल, बैतूल टाऊन कॉलोनी, भिलवा टेक, कृष्णपुरा टिकारी, मोती वार्ड, न्यू बारस्कर कॉलोनी, बसोड़ी मोहल्ला आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी। इसी प्रकार 22 अक्टूबर 2024 को प्रात: 10 से दोपहर 2 बजे तक 11 केव्ही टाऊन-2 के लिंक रोड, चंद्रशेखर वार्ड, कारगिल चौक, बारस्कर कॉलोनी, इंदिरा वार्ड, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, कोठी बाजार, कंपनी गार्डन, आजाद वार्ड, गर्ल्स कॉलेज, वीवीएम कॉलेज, तल्लैया मोहल्ला, अंबेडकर चौक, उमप किराना, राठी अस्पताल, ड्रीम होम्स कॉलोनी, नेहरू पार्क, बस स्टैंड, एमजी काम्पलेक्स, लल्ली चौक, सीमेंट रोड आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। प्रबंधक ने बताया कि किन्ही अपरिहार्य कारणों से समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

विद्यार्थी अपनी काबिलियत पहचानें : हेमंत खण्डेलवाल

बैतूल। बैतूल विधायक ने बुधवार को बैतूल शहर के लगभग दर्जन भर शासकीय स्कूलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होनें शासकीय शालाओं के इन्स्फ्राक्चर की जानकारी लेकर सभी स्कूलों में शौचालय, साफ सफाई, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कर अच्छा स्वरूप देनें के निर्देश शिक्षा विभाग एवं नगर पालिका बैतूल के अधिकारियों को दिए। उन्होनें अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासकीय शालाओं में मरम्मत सहित अन्य आवश्यकताओं का ऑकलन कर एस्टीमेट बनाकर राशि की डिमांट करें। शासकीय शालाओं को अच्छा स्वरूप देनें के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराई जाएगी। शालाओं के निरीक्षण के दौरान बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें उत्कृष्ट हायर सेकण्डरी स्कूल सहित अन्य शालाओं में छात्र-छात्राओं से प्रेरणा संवाद के दौरान कहा कि विद्यार्थी अपनी काबीलियत पहचानकर आगे की पढ़ाई के लिए विषय का चयन करें। उन्होनें कहा कि मेंटल हेल्थ के लिए पढाई के साथ खेलकूद भी जरूरी है। इसलिए पढ़ाई के साथ खेलकूद, कला, संगीत, चित्रकला सहित अन्य गतिविधियों में रूचि लेकर सहभागिता जरूर करें। निरीक्षण के दौरान बैतूल नपाअध्यक्ष श्रीमति पार्वती बाई बारस्कर, पूर्व नपाअध्यक्ष पार्षद आनंद प्रजापति, विक्रम वैद्य, विकास मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुशवाह, जिला परियोजना समन्वयक जितेन्द्र भनोटिया, सहायक परियोजना समन्वयक सहित शिक्षा विभाग, नगर पालिका के अधिकारी-इंजीनियर मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं से किया प्रेरणा संवाद

इन स्कूलों का किया निरीक्षण

बैतूल विधायक ने उत्कृष्ट हायर सेकण्डरी स्कूल, प्रा.शा .विनोबा वार्ड,प्राथमिक-माध्यमिक शाला विवेकानंद वार्ड, प्राथमिक शाला सिविल लाईन्स,प्राथमिक शाला विकास नगर, प्राथमिक शाला- हाईस्कूल हमलापुर,मा.शाला अर्जुन नगर, प्राथमिक-माध्यमिक शाला खंजनपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होनें शालाओं में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या, शिक्षको छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, भवन की स्थिति, परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। बैतूल विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन शालाओं में दर्ज संख्या न्यूनतम है उन्हें अन्य शालाओं में समायोजित करनें की कार्यवाही करें। उन्होनें कहा कि शासकीय शालाओं में बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन देनें के साथ ही केम्पस सुविधा सम्पन्न हो। बैतूल विधायक नें शालाओं में स्वच्छता एवं शुद्ध पेयजल की पुख्ता व्यवस्था करनें के इन्तजाम करनें के निर्देश नगर पालिका के अधिकारियों को दिए। उन्होनें कहा कि सभी स्कूलों को बेहतर स्वरूप देने का प्लान बनाए पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

बाल भिक्षावृत्ति रोकने के लिए चलाया जागरूकता अभियान

बैतूल। जिले में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम एवं जागरूकता के लिये कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग गौतम अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत बुधवार को महिला बाल विकास के दल ने नेहरू पार्क चौपाटी, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं बैतूल बाजार के बालाजीपुरम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भिक्षा मांगने वाले बच्चों को स्कूल से जोडने व बच्चों का समाज में पुनर्वास कराने के लिये समझाइश दी गई। अभियान के दौरान नागरिकों से अपील की गई कि बच्चों को भिक्षा नहीं शिक्षा देवें। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को बताया गया कि किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 की धारा 76 के तहत बालक का भिक्षा के लिये प्रयोग करने पर या बच्चे से भिक्षावृत्ति कराने पर 5 वर्ष का कारावास और 1 लाख रुपए का दंड हो सकता है।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह एवं डॉ. निवेदिता शर्मा आज बैतूल आएंगे

बैतूल। मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह एवं डॉ. निवेदिता शर्मा आज 17 अक्टूबर को प्रात: 9 बजे दो दिवसीय प्रवास पर बैतूल आएंगे। जानकारी के अनुसार मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री सिंह एवं डॉ. शर्मा 17 अक्टूबर को सिवनी से सुबह 5 बजे सडक मार्ग से बैतूल के लिए प्रस्थान कर प्रात: 9 बजे सर्किट हाऊस में आगमन होगा। बैतूल प्रवास के दौरान 17 और 18 अक्टूबर को जिले में शासकीय/अशासकीय संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री सिंह एवं डॉ.शर्मा 18 अक्टूबर को रात्रि 10 बजे बैतूल से भोपाल के लिए रवाना होंगे।

बंद मुट्ठी ही सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का प्रतीक : केंद्रीय मंत्री डीडी उइके

स्वर्णकार समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाया अजमीढ़ देव महाराज का जयंती महोत्सव

बैतूल। स्वर्णकार समाज द्वारा अपने आराध्य महाराज श्री 1008 अजमीढ़ देव जी का जयंती महोत्सव आज बुधवार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कस्तुरी बाग मैरिज लॉन में आयोजित भव्य समारोह में केन्द्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार दुर्गादास उइके समेत कार्यक्रम अध्यक्ष बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, विशिष्ट अतिथि आमला-सारनी विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, नपाध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, पूर्व नपाध्यक्ष आनंद प्रजापति विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने महाराज अजमीढ़ देव के जयकारे के साथ अपना उदबोधन शुरु किया। उइके ने स्वर्णकार समाज की एकता को समृद्धशाली बताते हुए कहा कि बंद मुट्ठी ही सामाजिक और राष्ट्रीय एकता की प्रतीक होती है, जिससे समाज और राष्ट्र दोनों ही समृद्ध होते है। हमारा सौभाग्य है कि स्वर्णकार समाज की इस एकता को प्रणाम करने का मौका मिला है। महाराज अजमीढ़ देव के दिए हुए संदेश आज हमारे कण-कण में समाहित है। हम भाग्यशाली है कि हमारा जन्म उस भारत में हुआ, जहां विभिन्न समाजों की एकता के बीच में जीवन जीने का मौका हमें मिल रहा है। उइके ने समाज में हर जाति विशेष के योगदान को लेकर कहा कि पूर्व में गांव की रचना में हर जाति-समाज का योगदान रहता था। जिसमें स्वर्णकार, बढ़ई, बसोड़, मातंग, वैश्य सहित अनेक जातियों का वंशानुगत व्यवसाय निर्धारित था। आज जरूरत इस बात की है कि इस वंशानुगत कार्य को हमें अपनी अगली पीढ़ी को देना होगा, जिससे लोगों को रोजगार मिलने के साथ सामाजिक एकता के रूप में भारत को विश्व गुरु बनाया जा सकता है। हम परम्परागत व्यवसाय को अगली पीढ़ी तक ले जाएं, इसकी प्रतिज्ञा हमें करनी होगी।

धूमधाम से निकाली अजमीढ़ देव महाराज की शोभायात्रा

स्वर्णकार समाज द्वारा कार्यक्रम के पूर्व अपने आराध्य महाराज अजमीढ़ देव की भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा का शुभारंभ आयोजन स्थल कस्तुरी बाग इटारसी रोड से किया गया। शोभायात्रा गेंदा चौक, कारगिल चौक, मुल्ला पेट्रोल पंप, बस स्टैंड, लल्ली चौक, शिवाजी चौक, तांगा स्टैंड गंज, दिलबहार चौक, मैकेनिक चौक, कारगिल चौक से होते हुए कस्तुरी बाग में समाप्त हुई। इस शोभायात्रा में समाज के सभी महिला-पुरुष एक ही वेशभूषा में उपस्थित रहकर महाराज अजमीढ़ देव के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान समाज के उन प्रतिभाशाली बच्चों और युवाओं को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएं हासिल कर समाज का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

अजमीढ़ देव के नाम पर होगा चौराहे का नामकरण

स्वर्णकार समाज द्वारा शहर के किसी भी चौराहे का नामकरण महाराज अजमीढ़ देव के नाम से किए जाने की मांग कार्यक्रम के दौरान आमंत्रित अतिथियों से की गई थीं। इसे लेकर नगरपालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर ने कहा कि मुझे खुशी है कि स्वर्णकार समाज द्वारा अपने आराध्य को लेकर यह एक नई पहल की गई है। उन्होंने कहा कि चौराहे का नामकरण किए जाने के लिए वे नपा के अधिकारियों को चौराहा चिन्हित किए जाने के निर्देश देगी और परिषद की बैठक में प्रस्ताव लेकर समाज की इस पहल को हम सब मिलकर अमलीजामा पहनाएंगे।

क्रांतिवीर ठाकुर निरंजन सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि

नरसिंहपुर। बुधवार को क्रांतिवीर ठाकुर निरंजन सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। अनेक वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कर्तव्य पर प्रकाश डाला। सभी ने कहा कि देश की आजादी और जिले के विकास में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। क्रांतिवीर ठाकुर निरंजन सिंह को उनकी प्रतिमा स्थापना स्थल ग्राम बहोरीपार, शहीद स्मारक पार्क करेली, ग्राम मडेश्वर, करेली निरंजन चौक आदि स्थान पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि देकर उनका स्मरण किया गया।

सप्रे संग्रहालय में तीन निदेशकों को दायित्व

भोपाल। माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय में अब तीन निदेशको को दायित्व सौंपे गए हैं। नई व्यवस्था के तहत मंगला अनुजा शोध निदेशक का दायित्व निभाएंगी । शोध संदर्भ विषयक गतिविधियो का मार्गदर्शन करेगी । वरिष्ठ वैज्ञानिक डा जयप्रकाश शुक्ल नव स्थापित विग्यान संचार, प्रकृति और विकास प्रभाग के निदेशक होंगे । यह प्रभाग जन सहभागिता से मैदानी बहुविध गतिविधियों का संचालन करेगा । भारतीय परंपरानुसार प्रकृति, विग्यान एवं प्रौद्योगिकी और विकास मे सामंजस्य के प्रयोग करेगा । सप्रे संग्रहालय के प्रबंधकीय दायित्व का निर्वाह निदेशक अरविंद श्रीधर करेगे । सप्रे संग्रहालय मे पुस्तकालय के तीन प्रारूप संचालित हो रहे है । परंपरागत पुस्तकालय के साथ साथ डिजिटल लाइब्रेरी और ई लाइब्रेरी सेवाओ का लाभ देश विदेश के छात्र उठा रहे हैं।

एक जनवरी से हो सकती है जनगणना

31 दिसम्बर तक फ्रीज होंगी जिले-गांवों की सीमाएं, मुख्य सचिव देंगे रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। 2011 के बाद से पेंडिंग जनगणना एक जनवरी 2025 से शुरू हो सकती है। इसके पहले 31 दिसम्बर 2024 तक एमपी में सभी जिलों, गांवों, शहरों और तहसीलों व वन क्षेत्रों की प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज की जाएंगी। सीमा फ्रीज किए जाने की रिपोर्ट राज्य सरकार जनगणना निदेशालय को देगी। जनगणना निदेशालय के पत्र के बाद अब यही संभावना है कि नए संभागों, जिलों, तहसीलों और अन्य प्रशासनिक सीमाओं के गठन के पहले ही एमपी में मौजूदा प्रशासनिक सीमाओं के आधार पर जनगणना होगी, क्योंकि जनगणना शुरू होने के बाद इसके पूरा होने तक प्रशासनिक इकाईयों की सीमा में परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। एमपी जनगणना निदेशालय की निदेशक भावना वालिम्बे द्वारा मुख्य सचिव अनुराग जैन को लिखे पत्र में कहा गया है कि वे प्रदेश के सभी संबंधित विभागों खासतौर पर पंचायत और ग्रामीण विकास, नगरीय आवास और विकास विभाग, राजस्व विभाग तथा वन विभाग को यह निर्देश जारी करें कि राज्य की सभी प्रशासनिक इकाइयों जैसे जिले, तहसील, राजस्व ग्राम, वन ग्राम, नगरीय निकाय और उनके वार्डों आदि की सीमाओं को बदलने की स्थिति हो तो यह काम 31 दिसम्बर तक पूरा कर लिया जाए। अगर अगर परिवर्तन होता है तो इसकी जानकारी जनगणना निदेशालय को एक जनवरी के पहले दी जाए।

डिंडौरी में पंचायत सचिव के घर लोकायुक्त का छापा

डिंडौरी (नप्र)। जबलपुर लोकायुक्त की टीम बुधवार सुबह समनापुर जनपद पंचायत क्षेत्र के बम्हनी गांव में सचिव मनोज यादव के घर पहुंची। लोकायुक्त पुलिस के डीएसपी दिलीप झरबड़े की अगुवाई में दस सदस्यीय टीम आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की जांच कर रही है। मनोज यादव के खिलाफ लंबे समय से आय से अधिक संपत्ति की शिकायतें मिल रही थी।

विश्व रंग के अंतर्गत 'राष्ट्रीय संगोष्ठी' हुई आयोजित

विश्व हिंदी ओलम्पियाड में जुड़ेंगे एक करोड़ लोग : संतोष चौबे

- विश्व रंग- अवलोकन और भविष्य दृष्टि पर हुआ विमर्श
- विश्व रंग फाउंडेशन की घोषणा

भोपाल/नईदिल्ली (नप्र)। साहित्य अकादमी, नईदिल्ली के सभागार रवीन्द्र भवन में विश्वरंग एवं वनमाली सृजन पीठ, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व रंग : अवलोकन और भविष्य दृष्टि' विषय पर 'विश्वरंग विमर्श : राष्ट्रीय संगोष्ठी' का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिल्ली एन.सी.आर. के सैकड़ों वरिष्ठ और युवा रचनाकारों सहित कई देशों के प्रवासी साहित्यकारों ने रचनात्मक भागीदारी की। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया।

विश्व रंग फाउण्डेशन की घोषणा

इस अवसर पर वरिष्ठ कवि कथाकार, विश्व रंग के निदेशक एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने कहा कि वैश्विक स्तर पर विश्व रंग की रचनात्मक गतिविधियों के व्यापक फलक को दृष्टिगत रखते हुए 'विश्व रंग फाउण्डेशन' का गठन कर लिया गया है। इसका मुख्य कार्यालय दिल्ली में होगा। 'विश्व रंग फाउण्डेशन' के माध्यम से वैश्विक स्तर पर साहित्य, कला, संस्कृति, भाषा शिक्षण का कार्य व्यापक रूप से संपादित किया जाएगा।

वैश्विक स्तर पर होगा हिंदी ओलम्पियाड का भव्य आयोजन: श्री संतोष चौबे ने आगे कहा कि विश्व रंग के अंतर्गत 50 से अधिक देशों में 'हिंदी ओलम्पियाड' का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न स्तर पर कहानी, कविता, गीत, कथेतर गद्य, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, खेती की नई तकनीक, विज्ञान लेखन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, आर्टिफिशियल इंटलीजेंस जैसे विषयों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

अफ्रो-एशिया अंतरराष्ट्रीय विश्व रंग सम्मान की घोषणा: विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे ने इस अवसर पर घोषणा करते हुए कहा कि विश्व रंग 2025 से शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर कार्य करने वाली शख्सियत को अफ्रो-एशिया अंतरराष्ट्रीय विश्व रंग सम्मान - से अलंकृत किया जाएगा।

'विश्व में हिंदी' पुस्तक का लोकार्पण: राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'विश्व में हिंदी' पुस्तक का लोकार्पण किया गया, जिसमें 65 देशों में हिंदी की स्थिति पर प्रकाश डाला गया है। यह पुस्तक हिंदी के भविष्य की एक स्पष्ट तस्वीर पेश करती है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी की झलकियाँ

राष्ट्रीय संगोष्ठी का पहला सत्र 'विश्वरंग: साहित्य/संस्कृति में भविष्य दृष्टि' विषय पर केंद्रित रहा। इस सत्र में विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे, सह-निदेशक श्री लीलाधर मंडलोई, डॉ. जानकी प्रसाद शर्मा, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव और श्री उमाशंकर चौधरी जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किए। सत्र की अध्यक्षता विनोद तिवारी और मुकेश वर्मा ने की। इस अवसर पर श्री लीलाधर मंडलोई ने 'विश्वरंग साहित्य यात्रा', डॉ. जानकी प्रसाद शर्मा ने 'भारतीय भाषाओं का साहित्य, आयोजन और अनुवाद की आवश्यकता', उमाशंकर चौधरी ने 'पत्रिकाओं का सामाजिक महत्व' और जितेंद्र श्रीवास्तव ने 'प्रकाशन पहल' पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सत्र का संचालन युवा रचनाकार प्रांजल धर ने किया। इस सत्र के दौरान 'विश्वरंग की यात्रा' पर आधारित एक विशेष फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर 'वनमाली कथा' पत्रिका के ताजा अंक का लोकार्पण किया गया।

कलाओं का पुनर्वास: दूसरे सत्र में 'विश्वरंग में कलाओं का पुनर्वास' पर चर्चा हुई, जिसमें विनोद भारद्वाज ने चित्रकला पर, रवींद्र त्रिपाठी ने 'रूपंकर कलाएं' और देवेंद्र राज अंकुर ने 'नाटक एवं नाट्य कलाओं' पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस सत्र की अध्यक्षता अशोक भौमिक और देवेंद्र राज अंकुर ने की, जबकि संचालन वनमाली कथा के संपादक कुणाल सिंह ने किया। इस दौरान कला पर केंद्रित एक फिल्म का भी प्रदर्शन किया आदिवासी और सांस्कृतिक दृष्टिकोण : तीसरे सत्र में महादेव टोप्पो, वीणा सिन्हा, देवेंद्र चौबे और लीलाधर मंडलोई ने 'आदिवासी संस्कृति', 'सृजनात्मक इतिहास' और 'पुरातात्विक महत्व' जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

विश्व रंग विश्व में हिंदी का उन्मेष और प्रसार

अंतिम सत्र का विषय 'विश्वरंग: विश्व में हिंदी का उन्मेष और प्रसार' रहा, जिसमें प्रमुख वक्ताओं में डॉ. मनीष चौधरी, अल्पना मिश्र, विजय कुमार मल्होत्रा, बालेंदु दाधीच, दिव्या माथुर ने हिंदी के वैश्विक प्रसार पर विचार साझा किए। इस सत्र की अध्यक्षता संतोष चौबे और बलराम गुमास्ता ने की। कार्यक्रम के दौरान 'विश्वरंग मॉरीशस' पर केंद्रित एक विशेष फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर 'विश्व में हिंदी' पुस्तक का लोकार्पण किया गया।

भाजपा ने रचा सदस्यता का नया इतिहास

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने संगठन पर्व को लेकर बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सदस्यता अभियान की पहली कार्यशाला में हमने यह कहा था कि मध्यप्रदेश में हम सभी कार्यकर्ता मिलकर इतिहास बनाएंगे। संगठन पर्व के पहले चरण में हमने 1 करोड़ का आंकड़ा पार किया था और अब मुझे यह बताते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि सदस्यता अभियान के दूसरे चरण के अंतिम दिन हमने सदस्यता का लक्ष्य पार कर लिया है। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपनी मेहनत, लगन और माइक्रोप्लानिंग के बल पर डेढ़ करोड़ का लक्ष्य पार करते हुए 1 करोड़ 50 लाख, 28 हजार 107 सदस्य बनाकर नया इतिहास रच दिया है। इसके लिए मैं पार्टी कार्यकर्ताओं और केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार जताता हूं, धन्यवाद देता हूं। अब सक्रिय सदस्यता का अभियान शुरू हो गया है, मध्यप्रदेश भाजपा सक्रिय सदस्यता में भी रिकॉर्ड बनाएगी। झूठ, छल-कपट की राजनीति करने वाले कांग्रेस नेताओं को यह समझना होगा कि सिर्फ झूठ परोसना ही राजनीति नहीं होती। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए डेढ़ करोड़ से अधिक सदस्य बनाए हैं। डेढ करोड का लक्ष्य प्राप्त करने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का पार्टी पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि संगठन पर्व, सदस्यता अभियान के दूसरे चरण की समाप्ति तक प्रदेश के सभी 64871 बूथों पर जो 1 करोड़ 50 लाख, 28 हजार 107 सदस्य बनाए गए हैं, उनमें से 1 करोड़ 22 लाख, 74 हजार 300 सदस्य ऐसे हैं, जिन्होंने ऑनलाइन डिजिटल फार्म भरा है। डिजिटल फॉर्म भरने के मामले में मध्यप्रदेश देश के अन्य राज्यों में अग्रणी रहा है, लेकिन मध्यप्रदेश के कई अंचल ऐसे भी हैं, जहां सही तरीके से मोबाइल और इंटरनेट नेटवर्क नहीं मिल पाता। कई घरों में मोबाइल फोन ही नहीं है। कुछ घरों में एक मोबाइल है और सदस्यता ग्रहण करने वाले चार-पांच सदस्य हैं। ऐसे अंचलों व घरों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर ऑफलाइन सदस्य बनाए हैं। अभी ऑफलाइन सदस्यता का आंकड़ा तैयार हो रहा है, इसका परीक्षण किया जा रहा है। जब यह आंकड़ा आएगा, तो एक और इतिहास रचा जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि सदस्यता अभियान के पहले दिन देश भर में 40 हजार ऑफलाइन फॉर्म भरे गए थे और हमारे लिए गर्व का विषय है कि इनमें से 23 हजार फॉर्म मध्यप्रदेश के थे। उन्होंने कहा कि आज से सक्रिय सदस्यता का अभियान शुरू हो चुका है और सक्रिय सदस्य बनने के लिए 100 प्राथमिक सदस्य बनाना आवश्यक है। इसलिए सक्रिय सदस्यता के मामले में भी पार्टी कार्यकर्ता एक और इतिहास रचने में जुट गए हैं। भाजपा संविधान में सक्रिय सदस्यता के लिए 50 प्राथमिक सदस्य बनाना ही निर्धारित है, लेकिन मध्यप्रदेश में सक्रिय सदस्य बनने के लिए 100 प्राथमिक सदस्य बनाना निर्धारित किया गया है। लेकिन ऐसा नहीं है कि 50 प्राथमिक सदस्य बनाने वालों को सक्रिय सदस्य बनने का अधिकार नहीं है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल, वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र शर्मा, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अनिल पटेल, प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी, दुर्गेश केशवानी, मिलन भार्गव, नेहा बग्गा, प्रहलाद कुशवाह उपस्थित रहे।

अंतर महाविद्यालय जिला स्तरीय व्हालीबॉल महिला वर्ग की प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के खेल मैदान पर अंतर महाविद्यालय जिला स्तरीय व्हालीबॉल महिला वर्ग की प्रतियोगता का आयोजन सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी श्री अर्पित सक्सेना ने बताया कि आज प्रातः 11 बजे प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर डॉ सतीश दुबे प्राचार्य पी जी कालेज नरसिंहपुरवरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अधिकेश राय तथा सभी कोच मैनेजर द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया।प्रतियोगिता में सांईखेड़ाकॉलेजएतेंदूखेड़ा कॉलेज एबरमान कॉलेजएएम आई एम टी कॉलेज और पीजी कॉलेज नरसिंहपुर की टीमों ने हिस्सा लिया।फाइनल मुकाबला तेंदूखेड़ा कॉलेज और पी जी कॉलेज नरसिंहपुर के बीच संपन्न हुआ जिसमे पी जी कॉलेज नरसिंहपुर विजेता रहा। मुख्य अतिथि श्री अजय प्रताप सिंह पटेल जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। प्रतियोगिता के बाद जिले की टीम का चयन किया गया। टीम में वैष्णवी नेमा,वीनू ठाकुर, निहारिका गिरी, पार्वती ठाकुर, अनुराधा राजपूत, किरण ठाकुर, दीपाली लोधी, इशू विश्वकर्मा पीजी कॉलेज नरसिंहपुर से, खुशी जाट एम आई एम टी कॉलेज से, कनुप्रिया तिवारी बरमान कॉलेज से, शिवानी राजपूत साइखेड़ा कॉलेज एवं जया गोंड तेंदूखेड़ा कॉलेज से चयनित रहीं। यह टीम महाविद्यालय द्वारा आयोजित करायी जा रही संभाग स्तरीय प्रतियोगिता 19 अक्टूबर को नरसिंहपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। चयनकर्ता मनीष कटारे होशंगाबाद जोन व्हालीबॉल सेक्रेटरी, साकिर हुसैन व्हालीबॉल कोच एवं डॉ भानुप्रताप प्रजापति क्रीड़ा अधिकारी तेंदूखेड़ा की उपस्थिति में चयन ट्रायल संपन्न हुई। बेस्ट प्लेयर महिला निहारिका गिरी को दिया गया। आज की प्रतियोगिता में डॉ मनीष अग्रवाल, श्री भरत सिंह ठाकुर, श्री दिनेश दुबे, श्री अजीत राय, श्रीमती प्रीति कौरव, श्री सतीश कुमार बैस, डॉ नेहा राठौर, श्री के के मिश्रा, श्री सूरज गिरी उपस्थित रहे।

कांग्रेस इतना हल्ला मचाने के बाद भी पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाई : विक्रम वर्मा

सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर चार विधानसभा की जिला कार्यशाला सम्पन्न

धार। भारतीय जनता सक्रिय सदस्यता अभियान के अंतर्गत भाजपा जिला कार्यालय में बुधवार को धार, बदनावर, सरदारपुर और धरमपुरी विधानसभा के सक्रिय सदस्यता अभियान की जिला कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला को भाजपा वरिष्ठ नेता पूर्व केंद्रीय केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा,भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी विधायक नीना वर्मा ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा नेता अशोक जैन, जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़, जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे मंचासीन रहे। सर्व प्रथम मंचासीन अतिथियों ने भारत माता, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र का पूजन व द्वीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। पूर्व केंद्रीय केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने कहा कि कांग्रेस इतना हल्ला मचाने के बाद भी पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाई विपक्ष हमेशा झूठ फैलाती आ रही है। अब देश की जनता जागरुक हो रही है इसका ताजा उदाहरण हरियाणा विधानसभा चुनाव का देख सकते हैं वहां पर तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व भाजपा की सरकार बन रही है। हमारी पार्टी संगठन आधारित पार्टी हैं।

यह सदस्यता अभियान तब सफल होगा जब जिले के प्रत्येक बूथ पर 200 से अधिक भाजपा के सदस्य बनना चाहिए। मनोज सोमानी ने कहा कि सक्रिय सदस्य भाजपा के मूल में है भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो घर-घर जाकर सदस्यता अभियान को भी पर्व के रूप में मनाती है। मध्यप्रदेश में अब तक भारतीय जनता पार्टी ने देशभर में सबसे अधिक डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने का रिकार्ड कायम किया है। जिस कार्यकर्ता ने 100 या इससे अधिक प्राथमिक सदस्य बनाए हैं वे ही सक्रिय सदस्यता के पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि 16 से 31 अक्टूबर तक नमो एप के माध्यम से 100 रुपए सक्रिय सदस्यता शुल्क जमा कर मंडल अध्यक्ष के समक्ष सक्रिय सदस्यता के लिए आवेदन कर सकेंगे जिसका भौतिक सत्यापन 1 से 4 नवंबर तक किया जाएगा ।

जिले में 3 लाख 19 हजार सदस्य बने-सोमानी

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा धार जिले में अब तक कुल 3 लाख 19 हजार प्राथमिक सदस्य बन चुके है। हमे प्रत्येक बूथ से पांच सक्रिय सदस्य बने इसके लिए एक-दूसरे कार्यकर्ता का सहयोग करना है। सदस्यता अभियान का ऐप 20 अक्टूबर तक चलेगा जिस मंडल में सक्रिय सदस्य कम बने हैं वहां पर 100 सदस्य बनाकर अपने लक्ष्य को पूरा करें। धार विधायक श्रीमती नीना वर्मा ने विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं का आभार मानते हुए कहा की मुझे विधानसभा चुनाव 2023 में 90 हजार मत प्राप्त हुए थे और इस विधानसभा में वर्तमान में 90 हजार भाजपा के सदस्य बन चुके है यह कार्य आप सभी कार्यकर्ताओ की मेहनत से ही संभव हो पाया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि उक्त कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्राथमिक सदस्यता अभियान के जिला टोली एवं मंडल टोली सक्रिय सदस्यता सहयोगी, पार्टी के विधायक जिला स्तरीय सक्रिय सदस्यता समीक्षा समिति, जिला एवं मण्डल सदस्यता अभियान की टोली को अपेक्षित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संस्था जय हो द्वारा 600 श्वांस एवं दमा रोगियों को निःशुल्क दिव्य औषधि का वितरण किया गया

धार। शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था जय हो द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर 600 श्वास एवं दमा रोगियों निःशुल्क दिव्य औषधि का वितरण किया गया । संस्था के संस्थापक डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया की संस्था द्वारा आनंद चौपटी स्थित शास्त्री मेडिकल स्टोर्स पर विगत 25 वर्षों से आज के दिन इस दिव्य औषधि का वितरण किया जा रहा हैं ।दिव्य औषधि का वितरण संस्था के डॉ. अशोक शास्त्री, धर्मेंद्र जोशी, सचिन दवे, लालु यादव, अनुप शर्मा, लाखन सिंह यादव द्वारा किया गया । इस अवसर पर कई वर्षों से श्वास, दमा रोग से पीड़ित मरीजों ने इस औषधि के उन्हें हुए लाभ साझा किए। अनेक मरीजो की तो यह बीमारी जड़ से समाप्त हो गई। उन्होंने संस्था को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अवध द्विवेदी, संतोष चौधरी, का विशेष सहयोग रहा। जानकारी संस्था के निलेश जोशी ने दी ।

भेड़ाघाट में 21वें नर्मदा महोत्सव का शुभारंभ

पर्यटन मंत्री बोले- ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति के संवाहक; सिंगर मालिनी अवस्थी ने दी प्रस्तुति

जबलपुर (नप्र)। संगमरमरी चट्टानों के बीच मां नर्मदा की अथाह जलराशि को समेटे भेड़ाघाट में दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव का आज शुभारंभ हुआ। सुर-ताल और रास-रंग से सजी नर्मदा महोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण प्रख्यात पार्श्व गायिका मालिनी अवस्थी का कर्ण प्रिय गायन रहा।

भेड़ाघाट में शरद पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा महोत्सव के आयोजन का यह लगातार 21वां वर्ष है। महोत्सव का शुभारंभ परंपरा के मुताबिक नर्मदा पूजन से हुआ। भेड़ाघाट में दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव में मंगलवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण प्रख्यात पार्श्व गायिका मालिनी अवस्थी का सुमधुर गायन रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी भी मौजूद थे। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, विधायक नीरज सिंह, भाजपा के जिला अध्यक्ष सुभाष तिवारी रानू, भेड़ाघाट नगर परिषद के अध्यक्ष चतुर सिंह, भेड़ाघाट नगर परिषद के उपाध्यक्ष जगदीश दहिया एवं कलेक्टर दीपक सक्सेना विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विधायक संतोष वरकड़े एवं संभागायुक्त अभय वर्मा भी इस अवसर पर दर्शक दीर्घगाह में मौजूद थे। मंत्री धर्मेंद्र लोधी और मंत्री राकेश सिंह ने नर्मदा पूजा

के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

पर्यटन मंत्री बोले-यहां पर्यटन की असीम संभावनाएं - पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कहा- नर्मदा महोत्सव जैसे गरिमापूर्ण कार्यक्रमों की निरंतरता को बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासों की आवश्यकता होती है। यह क्षेत्र मां नर्मदा के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है, यहां पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। नर्मदा महोत्सव सूत्रधार लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की सराहना की। वे नर्मदा महोत्सव जैसे आयोजन कर भारतीय संस्कृति को आगे ले जाने और उभारने का कार्य करते हैं, जो संपूर्ण विश्व के कल्याण के साथ उदारता, समरसता धर्म के साथ व्यापक लोक हित आदि मूल्यों को समाहित किए हुए हैं और जहां संकीर्णता का कोई स्थान नहीं है।

मंत्री राकेश सिंह बोले-मां नर्मदा की गरिमा बनी रहे - लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा- नर्मदा महोत्सव को और भी संस्कारित रूप से आगे बढ़ाना है। नर्मदा महोत्सव में भजन, क्लासिकल गीत हों या फिर फिल्मी गीत ऐसे होने चाहिए जो कि मां नर्मदा की गरिमा बनी रहे। विधायक नीरज सिंह से कहा कि कार्यक्रम को भव्य और गरिमापूर्ण बनाने के सभी प्रयत्न किया जाएगा। गायिका मालिनी अवस्थी ने श्वेत संगमरमरी चट्टानों से प्रतिबिम्बित हो रही चांदनी की शीतलता को श्रोताओं की हृदय पर उकेर दिया।

नर्मदा महोत्सव के पहले दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत में सांस्कृतिक संस्कारधानी की प्रसिद्ध लोक कलाकार नेहा विश्वकर्मा एवं उनके समूह ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की, जिसे देखकर महोत्सव में आए दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अगली कड़ी में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली के कलाकारों ने मनमोहक लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद मुंबई से आये भजन गायक रवि त्रिपाठी की भजनों की संगीतमय प्रस्तुति ने श्रोताओं का मन मोह लिया।

रवि त्रिपाठी ने अपनी सुमधुर आवाज में भजनों की शुरुआत 'मेरी मां के बराबर कोई नहीं' गाकर की। नर्मदा महोत्सव की पहले दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अंतिम प्रस्तुति पार्श्व गायिका लखनऊ की मालिनी अवस्थी का गायन था।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जहां मुंबई के प्रसिद्ध भजन गायक रवि त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत भजन नर्मदा की अविरल जलधारा की भांति दर्शकों के हृदय में शांति का संचार कर रहे थे। तो वहीं प्रख्यात गायिका श्रीमती मालिनी अवस्थी अपने मधुर गायन द्वारा श्वेत संगमरमरी चट्टानों से प्रतिबिम्बित हो रही चांदनी की शीतलता को श्रोताओं की हृदय पर उकेर रहीं थीं।

शांति और शीतलता के इस संयोग ने श्रोताओं को आनंद विभोर कर दिया। महोत्सव में पधारे श्रोता प्रसन्नता से झूम उठे और भेड़ाघाट का विश्व प्रसिद्ध नर्मदा तट श्रोताओं की तालियों की थाप से गुंजायमान हो गया।

दूसरे दिन प्रख्यात गायक हरिहरन का गायन - दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव के दूसरे और समापन दिवस पर बुधवार 16 अक्टूबर को प्रसिद्ध पार्श्व गायक मुंबई के हरिहरन की सुरीली आवाज संगमरमरी वादियों में गूंजेगी। नर्मदा महोत्सव के दूसरे दिनों के कार्यक्रमों का आगाज भी शाम 7 बजे मां नर्मदा की पूजा-अर्चना से होगा। दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह होंगे। अध्यक्षता राज्य सभा सदस्य सुमित्रा वाल्मीकि करेंगे। नर्मदा महोत्सव के दूसरे और समापन दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत शाम 7.30 बजे संस्कृति कला केंद्र जबलपुर की ओर से झील सिंह एवं उनके समूह के कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति से होगी। शाम 7.45 बजे केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली के कलाकार लोक नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद रात्रि 8 बजे पं. मनीष शुक्ला द्वारा गजल गायन होगा तथा रात 9 बजे से प्रख्यात पार्श्व गायक हरिहरन द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

दीपावली के पहले 24 को गुरु पुष्य नक्षत्र का संयोग

खरीदी का महा मुहूर्त, सर्वार्थ सिद्धि योग होने से सभी कार्य सिद्ध होंगे

उज्जैन (नप्र)। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर गुरुवार, 24 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र का संयोग रहेगा। गुरु पुष्य का यह संयोग प्रतीक्षित रहता है। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक मास के पुष्य नक्षत्र को माता लक्ष्मी का विशेष आशीर्वाद माना जाता है। पुष्य नक्षत्र में खरीदारी का विशेष मुहूर्त रहता है। इस दिन की गई खरीदारी चिर समृद्धि प्रदान करती है। पं. अमर डिब्बावाला ने बताया, दीपावली के पहले आने वाले पुष्य नक्षत्र को 27 नक्षत्र के समूह में नक्षत्रों का राजा कहा जाता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र की गणना से देखें तो पुष्य नक्षत्र का स्वामी शनि और उप स्वामी बृहस्पति है। शनि को काल पुरुष की ऊर्जा और पुरुषार्थ की प्रेरणा का कारक माना जाता है। बृहस्पति को ज्ञान, त्याग, शिक्षा और आध्यात्मिक का कारक बताया जाता है।

पं. डिब्बावाला ने बताया, यही कारण है कि भौतिक समृद्धि को प्राप्त करने के लिए सुख - सुविधा की दृष्टि से खरीदारी करने की मान्यता है। इसके अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स, सोने-चांदी के आभूषण, चांदी की मूर्तियां, दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, वस्त्र, जमीन, प्लॉट, मकान, कारखाने आदि क्षेत्र में लोग निवेश करते हैं और समृद्धि का कारण इस नक्षत्र की शुभता को मानते हैं।

म.प्र.में सड़कों, पुलों की क्वालिटी सुधार पर मंथन

केंद्रीय मंत्री गडकरी समेत देश भर के एक्सपर्ट जुटेंगे, भोपाल में होगा सेमिनार

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में सड़क और पुल निर्माण की क्वालिटी में सुधार लाने और नई तकनीकी का इस्तेमाल कर टाइम लिमिट में मजबूत इंफ्रॉस्ट्रक्चर तैयार करने के लिए सरकार दो दिन तक सेमिनार कराएगी इस सेमिनार में केंद्रीय सड़क, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी शामिल होंगे। सरकारी और निजी क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर अनुभवों और नवाचारों के बारे में जानकारी दी जाएगी, ताकि प्रदेश की इन्फ्रॉस्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को और मजबूती मिल सके।सड़क और पुल निर्माण के क्षेत्र में नए प्रयोग और तकनीक के इस्तेमाल को लेकर दो दिनी सेमिनार का आयोजन भोपाल में होगा। रवींद्र भवन में 19 और 20 अक्टूबर को होने वाले सेमिनार में सड़क और पुल निर्माण की नई तकनीक, सामग्रियों के उपयोग और एग्रीमेंट से जुड़े पहलुओं पर एक्सपर्ट्स अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे।

गोपाल भार्गव से मिले डिप्टी सीएम शुक्ल और देवड़ा

पूर्व मंत्री ने सीएम और प्रदेशाध्यक्ष से की मुलाकात, सोशल मीडिया पोस्ट में दिखी थी नाराजगी

भोपाल (नप्र)। मप्र में विधायकों और बीजेपी नेताओं की सार्वजनिक बयानबाजी के कारण विपक्ष, सरकार और बीजेपी पर हमलावर है। विधायकों की नाराजगी को दूर करने और सार्वजनिक बयानबाजी को रोकने के लिए संगठन चर्चा कर रहा है। सोमवार को बीजेपी ऑफिस में हुई प्रदेश चुनाव समिति की बैठक के दौरान नाराज विधायकों को भोपाल बुलाया गया था लेकिन देवरी विधायक बृज बिहारी पटेरिया और नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ही प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे थे।

भार्गव के सोशल मीडिया पोस्ट में दिखी थी नाराजगी - इन घटनाक्रमों के बीच पूर्व मंत्री और बीजेपी के सबसे सीनियर एमएलए गोपाल भार्गव ने भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से मुलाकात की है। मंगलवार को सीएम और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से भार्गव की लंबी चर्चा हुई है। हफ्ते भर के भीतर भार्गव के दो सोशल मीडिया पोस्ट के कारण सरकार और संगठन में

हलचल मची हुई है। भार्गव ने मप्र में बच्चियों के साथ हो रही रेप और हत्या की घटनाओं के मामले पर पोस्ट करते हुए पूछा था कि एक तरफ हम नवरात्रि में कन्या पूजन करते हैं, दूसरी तरफ 3-5 साल की अबोध बच्चियों के साथ बलात्कार हो रहे हैं। ऐसे में क्या हम रावण दहन करने के अधिकारी हैं?

नौ मौतों के बाद भार्गव बोले-हॉस्पिटल अपग्रेड करें - दो महीने पहले गोपाल भार्गव के रहली विधानसभा क्षेत्र के शाहपुर में दीवार गिरने से नौ बच्चों की मौत हो गई थी। भार्गव ने शाहपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाने को लेकर सीएम से चर्चा की। सूत्र बताते हैं कि भार्गव ने अस्पताल के उन्नयन को लेकर डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल से फोन पर बात की। उसके कुछ ही देर बाद शुक्ल खुद भार्गव के बंगले पर पहुंच गए। इस दौरान पशुपालन मंत्री लखन पटेल भी भार्गव के बंगले पर पहुंचे और उनके साथ चर्चा की। इसके बाद डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह भी भार्गव के बंगले पर पहुंचे और उनसे चर्चा की। भार्गव ने रहली विधानसभा क्षेत्र के स्कूलों को अपग्रेड करने के संबंध में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से चर्चा की।

जूनियर ऑडिटर के पास 90 करोड़ की प्रॉपर्टी

भोपाल में लोकायुक्त के छापे में 4 लग्जरी कारें, 1 किलो गोल्ड, डायमंड ज्वेलरी बरामद

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश शिक्षा सचिवालय के तकनीकी शिक्षा विभाग में पदस्थ जूनियर ऑडिटर रमेश हिंगोरानी 90 करोड़ की प्रॉपर्टी का मालिक निकला। भोपाल में लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार सुबह हिंगोरानी बैरागढ़ स्थित आवास समेत 6 ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान क्रेटा और स्कॉर्पियो समेत 4 लग्जरी कारें और 5 दोपहिया वाहन मिले।टीम को एक किलो से ज्यादा गोल्ड, डायमंड ज्वेलरी और बड़ी मात्रा में कैश मिला है। नोट गिनने के लिए मशीन भी लाई गई। टीम ने बंगले के अलावा गांधीनगर स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल, किरण प्रेरणा स्कूल, मैरिज गार्डन में दबिश दी। अब तक की जांच में 90 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। लोकायुक्त एसपी दुर्गेश राठौर के मुताबिक बुधवार सुबह पांच बजे कार्रवाई शुरू की गई थी। आय से अधिक संपत्ति होने की जानकारी के बाद केस दर्ज किया गया था। इसके बाद हिंगोरानी के ठिकानों पर कार्रवाई की गई।

सरकारी जमीन पर कब्जा कर बेचने के आरोप - रमेश हिंगोरानी, उनके बेटे योगेश और नीलेश पर भोपाल के गांधीनगर इलाके में करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसे बेचने के भी आरोप लग चुके हैं। हिंगोरानी का एक मैरिज गार्डन भी दो साल पहले प्रशासन ने तोड़ा था। अधिकारियों ने कहा था कि ये सरकारी जमीन पर बना था।

स्कूल का संचालन, बेटे-बहुओं को मोटी सैलरी

रमेश हिंगोरानी और उसके बेटों ने सामाजिक संस्था लक्ष्मी देवी विकयोमल सराफा एजुकेशन सोसाइटी के तीन स्कूलों का संचालन अपने हाथ में ले रखा है। लोकायुक्त को मिली शिकायत में इस बात का भी जिक्र है। रमेश ने अपने दोनों बेटों को बगैर योग्यता के समिति के स्कूलों का संचालक बना रखा था। सरकारी कर्मचारी को लाभ के पद पर रहने का अधिकार नहीं है, इसके बावजूद रमेश ने अपने दोनों बेटों-बहुओं को बगैर योग्यता के समिति के स्कूलों का संचालक बना रखा है। उन्हें सैलरी के रूप में मोटी रकम दी जा रही है।

नौकरी से निकाला तो मां-बेटी की हत्या

बदला लेने तीन दोस्तों के साथ की मर्डर की प्लानिंग; हैदराबाद भागने की फिराक में थे, गिरफ्तार

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में मां-बेटी के डबल मर्डर केस में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मां-बेटी ने जिस युवक को कुछ दिन पहले नौकरी से निकाला था, उसने बदला लेने के लिए तीन दोस्तों के साथ हत्या की प्लानिंग की। चारों आरोपी हैदराबाद के लिए निकलने वाले थे, इससे पहले पुलिस ने पकड़ लिया।

दरअसल, सोमवार को सिटी सेंटर अल्कापुरी में गार्डन होम्स सिटी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 322 में इंदु पुरी और उनकी बेटी रीना भल्ला का शव मिला था। सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध नजर आए थे। पड़ताल करने पर एक युवक इरफान निकला, जो रीना के ग्रोसरी स्टोर में डिलीवरी बॉय था। हिसाब में गड़बड़ी करने पर इरफान को रीना ने नौकरी से निकाल दिया था।

इरफान गोहद का रहने वाला है। वह लंबे समय तक रीना के ग्रोसरी स्टोर में काम कर चुका था, इसलिए उसे पता था कि घर का दरवाजा हमेशा खुला रहता है और घर में जेवर-कैश रखे रहते हैं। उसने दोस्त अंकुल झा से बात की। फिर हैदराबाद में काम करने वाले दो अन्य दोस्तों प्रमोद माथुर और छोटू राणा को बुलाया। चारों ग्वालियर में बस स्टैंड पर मिले और फिर गार्डन होम्स पहुंच गए।

सबसे पहले इरफान घर में घुसा। फिर बाकी आरोपी अंदर गए। पहले इंदु पुरी का मुंह दबाया और घर में रखा सामान उठाने लगे। इतने में रीना घर पहुंच गई। इरफान ने उसका भी मुंह दबा दिया। दोनों की मौत हो गई।

जार में रखी मिलीं रोटियां, सब्जी नहीं मिली -घटनास्थल पर पहुंची पुलिस के सामने तीन सवाल थे- हत्या कब हुई, क्यों हुई और किसने की? पुलिस की पड़ताल में यह भी सामने आ गया है कि हत्या सोमवार की रात 9.20 बजे से 10.30 बजे के बीच हुई है। क्योंकि रीना भल्ला के यहां रात को दो हाउस मेड आती हैं। एक साफ-सफाई और रोटी बनाती है, दूसरी सब्जी बनाकर जाती है। एक हाउस मेड ने पुलिस को बताया कि वह सोमवार रात 9.20 बजे रोटियां बनाकर गई थी। मंगलवार सुबह जब पुलिस स्पॉट पर पहुंची थी, तो जार में सभी रोटियां रखी हुई थीं। मतलब मां-बेटी ने खाना नहीं खाया था। किसी भी बर्तन में सब्जी नहीं मिली है। इससे यह भी साफ है कि सब्जी बनाने वाली आई तो दरवाजा अंदर से बंद था या फिर वह आई ही नहीं। रात 10.02 बजे दो युवक फुटेज में नजर आए। इसी के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई।

4 बीएचके फ्लैट, बेडरूम-बगल के रूम में ही छानबीन की -पुलिस का मानना था कि हत्या करने वाले पूरे घर से अच्छी तरह वाकिफ थे। आरोपियों ने अंदर दाखिल होने के लिए कोई फोर्स एंट्री नहीं ली थी। वे आसानी से घर में दाखिल हुए थे। इसके बाद उन्होंने जाते से ही दोनों महिलाओं पर अटैक किया। बेडरूम और उसके पास के रूम में कुछ सामान के बीच छानबीन की। इसके अलावा पूरे घर में आरोपियों ने किसी भी सामान को हाथ तक नहीं लगाया।

जांच में पुलिस ने बनाई थी ये थ्योरी - पुलिस के हिसाब से घटना के समय दोनों महिलाएं बेड पर थीं। वहां हमलावर पहुंच गए। महिलाओं ने उनके इरादे भांपकर विरोध जताना चाहा होगा, इतने में एक हमलावर ने 72 साल की इंदुपुरी को दबोचा।

केंद्र ने 3 प्रतिशत डीए-डीआर बढ़ाया, अब राज्य पर बढ़ेगा दबाव

- दीपावली से पहले कर्मचारियों को 4 प्रतिशत डीए दे सकती है मोहन सरकार

भोपाल (नप्र)। मोदी कैबिनेट ने बुधवार को केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनरों की महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है। इसके बाद मध्य प्रदेश के 7.50 लाख कर्मचारी डीए और 4.50 लाख पेंशन डीआर (महंगाई राहत) में 7 प्रतिशत पीछे हो गए हैं। डीए और डीआर को लेकर केंद्र सरकार की घोषणा के साथ ही प्रदेश के कर्मचारियों ने राज्य सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। उम्मीद की जा रही है कि नई परिस्थिति में राज्य सरकार दीपावली से पहले 4 प्रतिशत डीए देने की घोषणा और आदेश कर सकती है। कर्मचारियों के डीए, पेंशनरों के डीआर में साल में दो बार (जनवरी और जुलाई) में वृद्धि की जाती है। इससे पहले केंद्र सरकार ने 1 जनवरी 2024 को 4 प्रतिशत डीए-डीआर बढ़ाया था। यह लाभ प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनरों को अब तक नहीं मिला है।

डीआरएम तिराहे का रास्ता खोलने मेट्रो ने हटाई बेरिकेडिंग

भोपाल में 8 महीने से बंद था रास्ता; सांची फैक्टरी के सामने से भी हटाएंगे बेरिकेड्स

भोपाल (नप्र)। भोपाल के डीआरएम तिराहे का रास्ता बुधवार को खुल गया। मेट्रो ने अपनी बैरिकेडिंग और सामान हटा दिया। वहीं, पुलिस को भी रास्ता क्लियर करने का लेटर लिख दिया। हालांकि, रेलवे ट्रैक की साइड में गड्ढे को भरने का काम चल रहा है। इसलिए इक्का-दुक्का गाड़ियां ही निकल रही है। वहीं, सांची के सामने लगे बेरिकेड्स भी नहीं हटाए गए हैं। इनके हटने के बाद यह रास्ता गुरुवार-शुक्रवार को पूरी तरह से खोल दिया जा सकता है। तिराहे पर मेट्रो ने 200 टन वजनी कंपोजिट स्टील ब्रिज की लॉन्चिंग की है। इसी के नीचे से गाड़ियां और ऊपर से मेट्रो गुजरेगी। चूंकि, डायवर्सन 15 अक्टूबर तक ही था, इसलिए मेट्रो ने सड़क बनाने के बाद अपना सामान भी हटा दिया था। पुलिस ने भी दो दिन तक निरीक्षण किया। इसी बीच रेलवे के एक निर्माण के चलते रास्ते को खोलने का निर्णय टाल दिया गया। बुधवार को जब असमंजस की स्थिति बनी तो मेट्रो कॉरपोरेशन ने पुलिस को लेटर लिखकर रास्ता खोलने की बात कह दी। इसके साथ ही अपने बेरिकेड्स भी हटा दिए।

नाले का निर्माण हो रहा -तिराहे पर ट्रैक के साइड में नाले का निर्माण हो रहा है। हालांकि, रेलवे निर्माण के आसपास शेड लगा रहा है। ताकि किसी प्रकार का हादसा न हो।

5 लाख आबादी को राहत मिलेगी - रास्ता खुलने से करीब 5 लाख आबादी को

आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी। यहां से होशंगाबाद रोड की कॉलोनी, अवधपुरी, बीडीए, एम्स, अलकापुरी, साकेतनगर, अमरावतखुर्द समेत सैकड़ों कॉलोनी जुड़ी हैं। यहां के लोग इसी सड़क का उपयोग करते थे, लेकिन मार्च में मेट्रो स्टील ब्रिज के निर्माण के चलते यह बंद कर दी गई थी। तभी से लोगों की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं।

8 महीने से 7 किमी तक का ज्यादा फेरा - डीआरएम तिराहे की सड़क आईएसबीटी से वीर सावरकर ब्रिज के नीचे से होते हुए होशंगाबाद रोड को जोड़ती है। यही रास्ता मार्च यानी 8 महीने से बंद है। इससे ट्रैफिक का पूरा दबाव सावरकर सेतु से लेकर बोर्ड ऑफिस चौराहे तक बढ़ गया। बेतरतीब ट्रैफिक प्लान के कारण साकेत नगर और शक्ति नगर की अंदरुनी सड़कों पर भी ट्रैफिक का भार है, क्योंकि आरआरएल तिराहे और आईएसबीटी की तरफ से आने-जाने वाला 30 प्रतिशत ट्रैफिक इन्हीं अंदरुनी सड़कों से होकर आता-जाता है। इससे आईएसबीटी से होशंगाबाद रोड की ओर जाने वाले लोगों को 5 से 7 किलो मीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है।

ऊपर से मेट्रो, नीचे से गुजरेंगी गाड़ियां - रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास हबीबगंज नाके से डीआरएम स्टेशन के बीच 2 स्टील ब्रिज से मेट्रो गुजरेगी। इसके लिए पिछले 8 महीने से काम चल रहा है। 4 सितंबर को 3 घंटे के अंदर रेलवे ट्रैक पर पिलर के ऊपर 65 मीटर लंबा और 400 टन वजनी ब्रिज का स्ट्रक्चर रख दिया गया था। वहीं, तिराहे के 200 टन वजनी और 48 मीटर लंबे कंपोजिट ब्रिज को भी रख दिया है। इसके नीचे से गाड़ियां और ऊपर से मेट्रो ट्रेन गुजरेगी।

शरद पूर्णिमा को रोशनी बिखेरता चन्द्रमा

बुधवार की रात 7 बजे अपनी आलोकिक रोशनी से धरा को आलोकित करता पूर्णिमा का चन्द्रमा !

फोटो -ऋतुराज बुड़ावनवाला, खाचरौद (उज्जैन)